गणेश चतुर्थी आज

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

लोक शक्ति

हिमाचल प्रदेश में ब्यास नदी ने मचाई तबाही, होटल-रेस्टोरेंट बहे; यात्रियों ने सुरंग में शरण ली

RNI Regn. No.7789/1964 | वर्ष-61 > अंक - 242 | रायपुर | बुधवार 27 अगस्त 2025 विक्रम संवत 2082 | पृष्ठ 8 > मूल्य : 2 रू. | डाक पंजीयन : C.G./RYP DN/71/2023-25

आप नेता सौरभ भारद्वाज के आवास समेत 12 ठिकानों पर ईडी का छापा

नईदिल्ली प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की टीम ने मंगलवार सुबह आम आदमी पार्टी के नेता और दिल्ली के पूर्व मंत्री सौरभ भारद्वाज के ठिकानों पर छापा मारा है। एजेंसी आप सरकार के कार्यकाल के दौरान स्वीकृत अस्पताल निर्माण परियोजनाओं में कथित

अनियमितताओं से जुड़ी जांच के लिए पहुंची थी। मनी लॉन्ड्रिंग समेत तमाम आरोपों के तहत टीम ने भारद्वाज के आवास और आसपास के 13 स्थानों की तलाशी ली है। ईडी ने इस संबंध में अधिक जानकारी नहीं दी है।

पिछले साल अगस्त में तत्कालीन नेता प्रतिपक्ष विजेंद्र गुप्ता ने 2018-19 के दौरान 5,590 करोड़ रुपये की 24 अस्पताल परियोजनाओं की मंजूरी और क्रियान्वयन में भ्रष्टाचार का आरोप लगाया था। परियोजनाओं में 11 नए अस्पताल और 13 अस्पतालों में सुविधाओं को उन्नत बनाने का काम शामिल था। मामले में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो ने भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 17ए के तहत मंजूरी मिलने के बाद भारद्वाज और पूर्व स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन के खिलाफ मामला दर्ज किया था।

जम्मू-कश्मीर में बारिश का तांडव, वैष्णो देवी में भूस्खलन से 5 लोगों की मौत

,एजेंसी

मूसलाधार बारिश से जम्मू-कश्मीर में तबाही! वैष्णो देवी यात्रा मार्ग पर लैंडस्लाइड से 5 लोगों ने गंवाई जान, 14 घायल होने से हड़कंप। प्रशासन ने तत्काल यात्रा रोक दी है और कई इलाकों में बाढ़-बादल फटने से हालात गंभीर बने हुए हैं। मंगलवार दोपहर त्रिकुटा पहाड़ियों पर स्थित माता वैष्णो देवी मंदिर जाने वाले मार्ग पर भूस्खलन होने से पाँच लोगों की मौत हो गई और 14 अन्य घायल हो गए। इस दौरान क्षेत्र में लगातार भारी बारिश जारी रही। अधिकारियों ने बताया कि इस घटना के बाद जम्मू-कश्मीर के रियासी जिले में स्थित इस पवित्र मंदिर की तीर्थयात्रा स्थगित कर दी गई। अर्ध कुंवारी में इंद्रप्रस्थ भोजनालय के पास बचाव अभियान चल रहा है, जहां दोपहर करीब 3 बजे भूस्खलन हुआ था। यह पहाड़ी पर स्थित मंदिर तक 12 किलोमीटर लंबे रास्ते के लगभग आधे रास्ते पर स्थित है।

कटरा और उसके आसपास बचाव और राहत कार्यों में सहायता के लिए भारतीय सेना की तीन राहत टुकड़ियाँ तुरंत तैनात कर दी गई हैं। एक टुकड़ी अर्धकुंवारी में लोगों की जान बचाने में सक्रिय रूप से लगी हुई है, दूसरी टुकड़ी कटरा-ठाकरकोट मार्ग पर भूस्खलन स्थल पर पहुँच गई है, और तीसरी टुकड़ी जौरियाँ के दक्षिण में काम कर रही है। गृह मंत्री अमित शाह ने एक्स पर बताया कि जम्मू-कश्मीर के वैष्णो देवी यात्रा मार्ग पर भारी बारिश के कारण भूस्खलन से हुआ हादसा अत्यंत दुःखद है।

गुजरात से प्रधानमंत्री मोदी ने 1,400 करोड़ रुपए से अधिक की रेलवे परियोजनाएं राष्ट्र को समर्पित की

मेक फॉर द वर्ल्ड की ओर बढ़ रहा भारत

एजेंसी

अहमदाबाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुजरात में टीडीएस लिथियम-आयन बैटरी संयंत्र में हाइब्रिड बैटरी इलेक्ट्रोड के प्रोडक्शन का उद्घाटन किया। इसके साथ ही उन्होंने सुजुकी की इलेक्ट्रिक व्हीकल ई-विटारा को भी हरी झंडी दिखाई।

पीएम ने इस मौके पर कहा, आज से भारत में बनी इलेक्ट्रिक व्हीकल्स 100 देशों को एक्सपोर्ट की जाएंगी। इसके साथ ही, आज हाइब्रिड बैटरी इलेक्ट्रोल मैन्युफैक्चरिंग की भी शुरुआत हो रही है। यह दिन भारत और जापान की दोस्ती को भी एक नया आयाम दे रहा है। मैं सभी देशवासियों, जापान और सुजुकी कंपनी को बहुत-बहुत बधाई देता हूं।

उन्होंने कहा, भारत की सफलता की कहानी के बीज करीब 13 साल पहले बोए गए थे। 2012 में, जब मैं गुजरात का मुख्यमंत्री था, तब मैंने मारुति सुजुकी को हंसलपुर में जमीन अलॉट की थी। विजन उस समय भी आत्मनिर्भर भारत का था, मेक इन इंडिया का था। इस अवसर पर प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि अब दुनिया के दर्जनों देशों में जो ईवी चलेगी, उसमें 'मेड इन इंडिया' लिखा होगा। उन्होंने इसे भारत की 'मेक इन इंडिया' यात्रा से 'मेक फॉर द वर्ल्ड' की दिशा में एक ऐतिहासिक छलांग बताया।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अहमदाबाद में आयोजित कार्यक्रम में 1,400 करोड़ रुपए से अधिक की विभिन्न रेलवे परियोजनाओं को राष्ट्र को समर्पित किया। ये परियोजनाएं विशेष रूप से उत्तर गुजरात के महेसाणा, पाटण, बनासकांठा, गांधीनगर और अहमदाबाद जिलों को लाभान्वित करेंगी। ये रेलवे परियोजनाएं क्षेत्रीय कनेक्टिविटी, औद्योगिक विकास, लॉजिस्टिक्स दक्षता और रोजगार सृजन में उल्लेखनीय योगदान देंगी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा रेलवे की जो परियोजनाएं राष्ट्र को समर्पित की उनमें 537 करोड़ रुपए की लागत से तैयार महेसाणा-पालनपुर रेल लाइन (65 किमी) का दोहरीकरण, 347 करोड़ रुपए की लागत से कलोल-कड़ी-कटोसन रोड रेल लाइन (37 किमी) का गेज कन्वर्जन और 520 करोड़ रुपए की लागत से बेचराजी-रणुंज रेल लाइन (40 किमी) का गेज कन्वर्जन शामिल है।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा- कितना भी दबाव आए, हम सामना करने के लिए ताकत बढ़ाते रहेंगे - उन्होंने अमेरिका का नाम लिए बिना और टैरिफ का जिक्र किए बिना कहा कि उनकी सरकार छोटे उद्यमियों, किसानों, पशुपालकों को कभी नुकसान नहीं पहुंचने देगी। प्रधानमंत्री मोदी ने जनसभा में कहा, आज दुनिया में आर्थिक स्वार्थ वाली राजनीति है, सब कोई अपना हित साधने में लगे हैं। हम इसे देख रहे हैं। अहमदाबाद की धरती से, मैं आपको बताना चाहता हूं, गांधी की धरती से वादा करता हूं कि छोटे उद्यमियों, दुकानदारों, किसानों और पशुपालकों का हित मोदी के लिए सर्वोच्च प्राथमिकता है...दबाव कितना ही क्यों न आए, हम झेलने की अपनी ताकत बढ़ाते जाएंगे। प्रधानमंत्री मोदी का यह भाषण उस समय आया है, जब एक दिन पहले ही अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने रूस पर दबाव बनाने के लिए भारत पर टैरिफ लगाने की बात कही थी।

प्रधानमंत्री ने कहा कि यह उपलब्धि भारत-जापान की मजबूत दोस्ती का भी प्रतीक है। उन्होंने मारुति के इस नए विस्तार को 'टीन एज' में प्रवेश बताया और उम्मीद जताई कि अब कंपनी और ऊंची उड़ान भरेगी। उन्होंने यह भी याद दिलाया कि जब वे गुजरात के मुख्यमंत्री थे, तभी 2012 में मारुति को हंसलपुर में जमीन आवंटित की गई थी। आज उसी बीज से आत्मनिर्भर भारत की एक मजबूत जड़ें निकली हैं, और यह विकास की कहानी अब पूरी दुनिया तक फैल रही है।

राहुल-प्रियंका के बिहार दौरे से कोई फर्क नहीं पड़ेगा : रविशंकर प्रसाद

पटना । एजेंसी। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के नेतृत्व में बिहार में चल रही इंडिया ब्लॉक की वोटर अधिकार यात्रा में मंगलवार को सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा शामिल हुईं। उनकी मौजूदगी से कार्यकर्ताओं और समर्थकों में खासा उत्साह देखने को मिला। हालांकि, प्रियंका गांधी वाड्रा के शामिल होने पर भाजपा ने कड़ा प्रहार किया है। भाजपा के वरिष्ठ नेता और सांसद रविशंकर प्रसाद ने कहा कि भाई आए, बहन आईं, दौरे से कोई फर्क नहीं पड़ेगा। फिर से वही गलत बयानबाजी करेंगे। पत्रकारों से खास बातचीत में उन्होंने कहा कि राहुल गांधी ने एफिडेविट क्यों नहीं फाइल किया? क्योंकि उन्हें पता था कि झूठ बोलने पर कार्रवाई होगी। पेगासस और राफेल मामले में भी वही रवैया अपनाया। मीडिया, सीबीएसई, कैग और अब चुनाव आयोग तक को गाली देना राहुल गांधी की आदत बन गई है। उनका एक ही मंत्र है, ना कायदा सही, ना कानून सही, जो राहुल कहे वही सही। लेकिन, देश ऐसे नहीं चलेगा। रविशंकर प्रसाद ने राहुल गांधी और कांग्रेस को चेतावनी देते हुए कहा कि बिहार की जनता इनकी झूठी बातों का करारा जवाब देगी। वहीं, उन्होंने तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के उस बयान पर भी नाराजगी जताई, जिसमें बिहार के डीएनए पर सवाल उठाए गए थे।

नीतीश कैबिनेट का बड़ा फैसला, उद्योग के लिए मुफ्त जमीन और 40 करोड़ तक की सब्सिडी देगी

एजेंसी पटना.

बिहार में विधानसभा चुनाव से पहले नीतीश कैबिनेट ने मंगलवार (26 अगस्त) को एक बड़ा फैसला लेते हुए औद्योगिक निवेश पॉलिसी को मंजूरी दे दी इससे बिहार में उद्योग लगाने पर मुफ्त में जमीन और 40 करोड़ तक की सब्सिडी देने का भी फैसला लिया उद्योग को बढ़ावा देने के लिए सरकार भूमि बैंक बनाने का भी फैसला लिया है इसके लिए नीतीश कैबिनेट ने बिहार के सात जिला भोजपुर, शेखपुरा, रोहतास, शिवहर, दरभंगा, पूर्णिया और पटना जिलों में कुल 2,169.50 एकड़ भूमि अधिग्रहण करने की भी स्वीकृति दी है

औद्योगिक निवेश पॉलिसी को मिली मंजूरी - बिहार में उद्योगों को प्रोत्साहित करने के लिए सरकार ने बियाडा एमनेस्टी पॉलिसी 2025 के

बाद अब नया बिहार औद्योगिक निवेश प्रोत्साहन पैकेज 2025 लागू किया है इसके तहत सरकार 40 करोड़ रूपए तक की ब्याज सब्सिडी देगी नई इकाइयों को स्वीकृत परियोजना लागत का 300 प्रतिशत तक शुद्ध स्त्रस्ज्ञ की प्रतिपूर्ति 14 वर्षों के लिए की जाएगी 30 प्रतिशत तक पूंजीगत सब्सिडी प्रदान की जाएगी इसके साथ ही निर्यात प्रोत्साहन की सीमा 14 वर्ष की अवधि के लए 40 लाख रूपए प्रतिवर्ष किया जायेगा इसके अतिरिक्त कौशल विकास, पर्यावरण संरक्षण, नवीकरणीय ऊर्जा उपयोग, स्टाम्प ड्यूटी एवं भूमि रूपांतरण शुल्क की प्रतिपूर्ति, निजी औद्योगिक पार्कों को सहयोग, पेटेंट पंजीकरण एवं गुणवत्ता प्रमाणन हेतु सहायता दी जाएगी

निःशुल्क भूमि आवंटित करेगी सरकार इस नए औद्योगिक पैकेज 2025 के तहत निवेश को बढ़ावा देने के लिए सरकार निःशुल्क भूमि आवंटित करेगी बिहार में 100 करोड़ से अधिक का निवेश करने वाली एवं 1000 से अधिक प्रत्यक्ष रोजगार सृजित करने वाली औद्योगिक इकाइयों को 10 एकड़ तक भूमि निःशुल्क आवंटित की जाएगी इसके साथ ही 1000 करोड़ से अधिक का निवेश करने वाली औद्योगिक इकाइयों को 25 एकड़ तक भूमि निःशुल्क आवंटित की जाएगी फॉर्च्यून 500 कंपनियों को 10 एकड़ तक भूमि निःशुल्क आवंटित की जाएगी

इस दिन तक कर सकते हैं आवेदन

इस औद्योगिक पैकेज 2025 के अंतर्गत लाभ लेने के लिए निवेशकों को 31 मार्च 2026 से पूर्व आवेदन करना अनिवार्य होगा इस नए औद्योगिक पैकेज 2025 से 5 वर्षों में 1 करोड़ युवाओं को नौकरी एवं रोजगार देने में सहायता मिलेगी सरकार का कहना है कि इस पहल का उद्देश्य है कि बिहार में उद्योगों को और ज्यादा बढ़ावा देना है इसके साथ ही बिहार के युवा दक्ष एवं आत्मनिर्भर हों और उन्हें राज्य के अंदर ही अधिक से अधिक रोजगार मिल सके है ताकि उनका भविष्य सुरक्षित हो सके ।

हिमंता बिस्वा सरमा ने धुबरी में जारी किया शूट-एट-साइट का ऑर्डर, बोले- वहां हिंदू अल्पसंख्यक हैं

एजेंसी। असम के सीएम हिमंता बिस्वा सरमा ने एक बयान जारी करते हुए कहा कि 13 जून से धुबरी जिले में सांप्रदायिक गड़बड़ी के बाद रात में शूट-एट-साइट ऑर्डर जारी कर दिया गया है। यह आदेश दुर्गा पूजा के दौरान धुबरी जिले में लागू रहेगा। उन्होंने कहा कि सनातन धर्म के लोग धुबरी में अल्पसंख्यक हैं और कट्टरपंथियों से उनकी सुरक्षा सरकार की प्राथमिकता है। बता दें कि हिमंता बिस्वा सरमा ने कोकराजहर में एक कार्यक्रम के दौरान ये कहा। मुख्यमंत्री ने कहा कि धुबरी या हिंसा की घटनाओं में कोई अशांति नहीं है, लेकिन दुर्गा पूजा के दौरान शूट-एट-साइट ऑर्डर जारी रहेंगे। बता दें कि 28 सितंबर से 2 अक्तूबर तक दुर्गापूजा का त्योहार मनाया जाएगा।

प्रधानमंत्री 26 अगस्त, 2025 को गुजरात के हंसलपुर में हरित गतिशीलता पहल के शुभारंभ पर एक प्रदर्शनी का दौरा किये।

विदेश दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति ली जे म्युंग के साथ बैठक के दौरान ट्रंप की चेतावनी

चीन बर्बाद हो जाएगा : ट्रम्प ने दी 200 प्रतिशत टैरिफ लगाने की धमकी

एजेंसी

वॉशिंगटन अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने चीन को लेकर एक बार फिर सख्त तेवर दिखाए हैं। ट्रम्प ने चीन पर 200 प्रतिशत तक टैरिफ लगाने की चेतावनी दी है। उनका कहना है कि यदि चीन ने अमेरिका को पर्याप्त मात्रा में मैग्नेट (चुम्बक) की आपूर्ति नहीं की, तो उस पर भारी आयात शुल्क लगाया जा सकता है।

ट्रम्प ने यह बयान ओवल ऑफिस में दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति ली जे म्युंग के साथ बैठक के दौरान मीडिया से बातचीत करते हुए दिया। उन्होंने कहा कि वे चीन के साथ बेहतर संबंध चाहते हैं, लेकिन व्यापारिक तनाव अभी भी बना हुआ है। ट्रम्प ने कहा, चीन के पास कुछ कार्ड हैं, हमारे

पास भी कुछ कार्ड हैं, लेकिन मैं वो पत्ते नहीं खेलना चाहता। अगर मैंने ऐसा किया, तो चीन बर्बाद हो जाएगा। मैं ये पत्ते नहीं खेलूंगा। उन्होंने यह भी बताया कि हाल ही में उनकी चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग से बात हुई है और वे बीजिंग की यात्रा पर विचार कर रहे हैं। ट्रम्प ने कहा, किसी भी समय, शायद इसी साल या उसके तुरंत बाद, मैं चीन जा सकता हूं। उन्होंने यह भी बताया कि शी जिनपिंग ने उन्हें आधिकारिक निमंत्रण दिया है। इससे पहले, ट्रम्प ने 12 अगस्त को अमेरिका-चीन टैरिफ डेडलाइन को 90 दिनों के लिए बढ़ाने का ऐलान किया था। उन्होंने सोशल मीडिया पर बताया था कि उन्होंने 9 नवंबर तक की नई समय सीमा के लिए एक्जीक्यूटिव ऑर्डर पर हस्ताक्षर कर दिए हैं। गौरतलब है कि अमेरिका और चीन के बीच व्यापार युद्ध कई वर्षों से चला आ रहा है। पिछली बार दोनों देशों के बीच 11 मई को जिनेवा में एक ट्रेड डील हुई थी। इससे पहले ट्रम्प ने चीन पर 245 प्रतिशत तक टैरिफ लगाने की धमकी दी थी, जिसके जवाब में चीन ने भी 125 प्रतिशत तक आयात शुल्क लगाने की बात कही थी। हालांकि, जिनेवा डील के बाद इन टैरिफ्स को टाल दिया गया था। ट्रम्प के हालिया बयान ने एक बार फिर वैश्विक व्यापार जगत की चिंताओं को बढ़ा दिया है। आने वाले समय में अमेरिका-चीन संबंध किस दिशा में जाएंगे, यह देखना दिलचस्प होगा।

जिला कलेक्टर सुनिश्चित करें कि हमारे नागरिक अपना गाँव नहीं छोड़ें : शाह

पीआईबी

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने नई दिल्ली में गृह मंत्रालय (MHA) के सीमा प्रबंधन विभाग द्वारा आयोजित दो दिवसीय वाइब्रेंट विलेजेज प्रोग्राम कार्यशाला के उद्घाटन सत्र को मुख्य अतिथि के तौर पर संबोधित किया। गृह मंत्री श्री अमित शाह ने इस अवसर पर वाइब्रेंट विलेजेज प्रोग्राम का लोगो भी लॉन्च किया। इस अवसर पर केन्द्रीय गृह राज्य मंत्री श्री बंडी संजय कुमार, गृह सचिव, आसूचना ब्यूरो के निदेशक, सीमा प्रबंधन सचिव, VVP के पहले और दूसरे चरण में शामिल सीमावर्ती राज्यों के मुख्य सचिव, सीमा की रक्षा में तैनात सुरक्षा बलों के महानिदेशक और संबंधित जिलों के जिलाधिकारी सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। श्री अमित शाह ने कहा कि वाइब्रेंट विलेजेज प्रोग्राम की संकल्पना को चरितार्थ करने के लिए

अपने सम्बोधन में केन्द्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह ने कहा कि वाइब्रेंट विलेजेज प्रोग्राम का विचार तीन बिंदुओं पर आधारित है, जिनमें सीमांत गांवों से पलायन रोकना, सीमांत गांवों के हर नागरिक को केन्द्र एवं राज्य सरकार की योजनाओं का शत-प्रतिशत लाभ सुनिश्चित करना और VVP में चिह्नित गांवों को सीमा और देश की सुरक्षा के लिए एक उपकरण बनाना शामिल हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने जब वाइब्रेंट विलेजेज प्रोग्राम के विचार को सामने रखा था, तब यह तय हुआ था कि इसे चरणबद्ध तरीके से लागू किया जाए। न केवल हर सीमांत गाँव को सभी सुविधाओं से युक्त बनाया जाएग, बल्कि सीमांत गांवों में रहने वाले हर नागरिक को भारत सरकार और सरकारी योजनाओं का शत-प्रतिशत सैचुरेशन, पर्यटन के लिए आवश्यक जनसुविधाओं को बढ़ावा और सहकारी संस्थाओं को प्रोत्साहित कर रोजगार सृजन जैसे कदम उठाने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि अगर होमस्टे जैसे प्रयोगों को सीमावर्ती गांवों तक ले जाएँ और इनमें बुकिंग के लिए राज्यों के पर्यटन विभाग उचित व्यवस्था करें तो सीमांत गांवों के हर घर में रोजगार होगा। श्री शाह ने कहा कि राज्यों के ग्रामीण विकास विभाग को इन गांवों का गौरव स्थापित करने की दिशा में प्रयास करना होगा और इसमें जिला कलेक्टरों की अहम भूमिका है। उन्होंने कहा कि अगर गांवों में सभी सुविधाएं और रोजगार हों तो स्थानीय लोगों में गाँव छोड़ कर जाने की इच्छा कभी नहीं होगी। गृह मंत्री ने कहा कि युवा कलेक्टरों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि विषम भौगोलिक परिस्थिति के बावजूद हमारे नागरिक अपना गाँव नहीं छोड़ें, पलायन न हो और गाँव की आबादी में वृद्धि भी हो। श्री अमित शाह ने कहा कि वाइब्रेंट विलेजेज प्रोग्राम के लिए चिह्नित किए गए देश के पहले गाँव कुछ साल बाद हमारे देश और उसकी सीमाओं की रक्षा के लिए बहुत महत्वपूर्ण उपकरण सिद्ध होंगे। उन्होंने कहा कि इस प्रोग्राम के माध्यम से मल्टी-डायमेंशनल और मल्टी-सेक्टोरल विकास की कल्पना के साथ इंफ्रास्ट्रक्चर को बढ़ावा देने, संस्कृति के संरक्षण और संवर्धन, पर्यटन के माध्यम से रोजगार सृजन और हर तरह से गाँव के जीवन को वाइब्रेंट बनाने के प्रयास हुए हैं।

6 लाख चीनी छात्रों को देंगे अमेरिकी वीजा

एजेंसी। वॉशिंगटन

एक ओर भारत जैसे देशों पर अतिरिक्त टैरिफ लगाने की बात करने वाले पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अब चीन पर मेहरबान नजर आ रहे हैं। उन्होंने चीन के प्रति एक बड़ा नीतिगत बदलाव दिखाते हुए 6 लाख चीनी छात्रों को अमेरिकी वीजा उपलब्ध कराने का ऐलान किया है। ट्रंप का यह फैसला ऐसे समय में आया है जब दोनों देशों के बीच व्यापार को लेकर अहम बातचीत चल रही है। व्हाइट हाउस में एक पत्रकार के सवाल का जवाब देते हुए ट्रंप ने कहा कि अमेरिका और चीन के बीच 'बहुत महत्वपूर्ण संबंध' हैं। उन्होंने कहा, हम उनके (चीन के) छात्रों को आने की अनुमति देने जा रहे हैं। यह बहुत महत्वपूर्ण है, 600,000 छात्र। हम चीन के साथ मिलकर काम करेंगे। इस घोषणा के साथ ही ट्रंप ने 6 लाख चीनी छात्रों के लिए अमेरिकी कॉलेजों में पढ़ाई का रास्ता खोल दिया है। यह फैसला ट्रंप प्रशासन द्वारा पहले अपनाए गए आक्रामक रुख से एक बड़ा यू-टर्न है, जिसमें चीनी नागरिकों, खासकर कम्युनिस्ट पार्टी या संवेदनशील शोध क्षेत्रों से जुड़े लोगों के वीजा को रद्द करने की बात कही गई थी। ट्रंप के इस नए ऐलान से उनके कट्टर समर्थक भी अब उनकी आलोचना करने लगे हैं। यह कदम दुनिया की दो सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के बीच चल रही उच्च-स्तरीय व्यापार वार्ता के बीच उठाया गया है। दोनों देश टैरिफ, अमेरिकी उद्योगों के लिए महत्वपूर्ण रेयर अर्थ मैग्नेट की सप्लाई और अमेरिका में बने उन्नत एआई चिप्स तक चीन की पहुंच जैसे मुद्दों पर समझौता करने की कोशिश कर रहे हैं। हालांकि, इस नरमी के बीच ट्रंप ने चीन को चेतावनी देते हुए यह भी कहा कि बीजिंग को रेयर अर्थ मैग्नेट तक वॉशिंगटन की पहुंच सुनिश्चित करनी होगी।

लोकशक्ति www.lokshakti.in

जन्मदिन पर बधाई व शुभकामनाओं के लिए पंडरिया विधायक भावना बोहरा ने जताया आभार

कहा जनता के सहयोग और समर्थन से समृद्ध पंडरिया का संकल्प होगा पूरा

कवर्धा। 24 अगस्त को पंडरिया की लोकप्रिय विधायक भावना बोहरा जी के जन्मदिन के अवसर पर भाजपा पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं, समर्थकों एवं क्षेत्रवासियों द्वारा बधाई व शुभकामनाएं दी गई और भव्य रूप से उनका जन्मदिन मनाया। इस दौरान सुबह से ही बधाई देने के लिए लोगो तांता लगा रहा। इस दौरान भावना बोहरा ने सभी की शुभकामनाओं के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कवर्धा निवास परिसर में हरीतिमा ग्रुप के सदस्यों और स्काउट गाइड के छात्र-छात्राओं के साथ पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प किया। उन्होंने कवर्धा में महामाया मंदिर और खेड़ापति हनुमान मंदिर में पूजा-अर्चना कर छत्तीसगढ़ की सुख-समृद्धि की कामना की और वृद्धाश्रम में बुजुर्गों को फ्ल वितरित कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया।

भावना बोहरा जी के जन्मदिन के अवसर पर ग्राम सेमरहा के बच्चों का भी आगमन हुआ उन्होंने भावना बोहरा के साथ केक काटकर उनका जन्मदिन मनाया। इसके साथ ही पूरे पंडरिया विधानसभा में भावना बोहरा जी का जन्मदिन मनाया गया। कबीरधाम जिला भाजपा कार्यालय, उड़िया कला सहसपुर लोहारा में पार्टी पदाधिकारी,कार्यकर्ता एवं क्षेत्रवासियों ने उनका जन्मदिन मनाया और सिल्हाटी चौक, सिंगारपुर,रंजीतपुर एवं जमुनिया में भावना बोहरा का भव्य स्वागत किया गया। ग्राम रणवीरपुर में छत्तीसगढ़ के सुप्रसिद्ध भजन गायक एवं गीतकार पंडित विवेक शर्मा द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया जहां हजारों की संख्या में भाजपा कार्यकर्ताओं, पदाधिकारियों, जनप्रतिनिधियों एवं क्षेत्रवासियों ने भावना बोहरा को जन्मदिन की बधाई एवं शुभकामनाएं दी।इस अवसर पर भावना बोहरा ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि पंडरिया विधानसभा की जनता और पार्टी के कर्तव्यनिष्ठ कार्यकर्ताओं द्वारा प्राप्त स्नेह और आशीर्वाद मेरे लिए बहुमूल्य उपहार है।

आप सभी का यह स्नेह, आशीर्वाद, सहयोग और विश्वास ही मेरी ऊर्जा है, जो आपकी सेवा और अपने कर्तव्यों एवं संकल्पों को पूरा करने हेतु मार्गदर्शन प्रदान करती है।जनसेवा, विकास और जनसुविधाओं का विस्तार ही मेरी प्राथमिकता और लक्ष्य है। मुझे विश्वास है कि जीवन के हर पथ में आप सभी का मार्गदर्शन, सहयोग एवं आशीर्वाद मुझे प्राप्त होता रहेगा। आप सभी के इसी आशीर्वाद से हम मिलकर समृद्ध और विकसित पंडरिया के संकल्प को जरूर पूरा करेंगे।आज मैं जिस मुकाम पर हूँ वह आप सभी मेरे परिवारजनों के सहयोग व आशीर्वाद से हूँ और हमेशा मेरा यही प्रयास रहा है कि आप सभी के हर सुख-दुख में साथ रहूं और पंडरिया विधानसभा के विकास तथा आपकी सेवा के लिए हर दिन कुछ बेहतर करती रहूं। विगत वर्षों में आप सभी के समर्थन और मार्गदर्शन में हमने जो भी प्रयास किया है चाहे वह बेटियों की शिक्षा के लिए निःशुल्क बस सेवा, आप सभी के बेहतर स्वास्थ्य के लिए निःशुल्क एम्बुलेंस सेवा एवं मोबाइल हेल्थ पैथ लैब, युवाओं के लिए निःशुल्क कोचिंग सेंटर, महिलाओं के सशक्तिकरण, विकास कार्यों एवं अधोसंरचना निर्माण के लिए 300 करोड़ रु से अधिक राशि की स्वीकृति, विधानसभा में क्षेत्र व प्रदेश से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों को उठाना हो या फिर जनता की सुविधा के लिए जनसेवा ही भावना सेवा सुविधा केंद्र की स्थापना हो, मैनें हमेशा ही अपने कर्तव्यों और एक जनप्रतिनिधि के रूप में अपने दायित्वों को निभाने का निरंतर प्रयास किया है।

कांग्रेस नेता अनवर खान ने प्रदेश की बिगड़ती कानून व्यवस्था पर तिखी प्रतिक्रिया व्यक्त की

बिहार की धरती से वोट चोरी के खिलाफसीधी लड़ाई, कांग्रेस पूरे देश में स्वच्छ मतदाता सूची बनाने हेतु कृत संकल्पित...

जगदलपुर। प्रदेश की बिगड़ती कानून व्यवस्था तिखी प्रतिक्रिया व्यक्त कर कांग्रेस नेता अनवर खान ने भाजपा पर हमला बोला उन्होंने कहा कि आए दिन हो रही हत्याएं, चाकूबाजी, लूट से प्रदेश में आमजनों के बीच डर का वातावरण है प्रदेश में बढ़ रहे अपराधिक गतिविधियों व घटनाओं से पूरी राजधानी में भय का माहौल है। कैपिटल सीटी रायपुर में हत्या और चाकूबाजी की घटनाएं अब आम हो चुकी है इस पर अंकुश व नियंत्रण करने में सरकार पूरी तरह असफल और बेसहाय साबित हो रही है। जब से राज्य में भाजपा की सरकार बनी है रायपुर में हत्याओं का दौर निरन्तर जारी है ऐसा कोई दिन नहीं जहां भयावह हत्या की एक घटनाएं न हो अपराधी इतने बेलगाम हो गये है कि सरेआम सड़क पर चाकू बाजी कर रहे, और पुलिस मूकदर्शक बनी रहती है। रोज हो रहे सामूहिक दुष्कर्म की घटनाओं से प्रदेश शर्मसार है और महिलाएं व बच्चियां पूरी तरह असुरक्षित, पूरे प्रदेश में भय का माहौल पनप रहा है। बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ का नारा भाजपा के चाल व चरित्र को उजागर कर रहा है सरकारी तंत्र पूरी तरह फेलियर साबित हो चुकी है। श्री खान ने कहा कि कानून व्यवस्था तथा अपराधो पर नियंत्रण सरकार की पहली प्राथमिकता होनी चाहिये। लेकिन भाजपा सरकार की निगाह में बढ़ते अपराधिक घटनाये महत्वहीन है रोज हो रही चाकूबाजी, बलात्कार, हत्याओं को रोकने के लिये सरकार कोई भी ठोस प्रयास ही नहीं कर रही है महिलाएं घर से बाहर निकलने में डरने लगी है व्यापारी डर के मारे नगदी राशि के लेन देन में भयभित व घबरा रहे है।

खमतराई में हुई हत्या का खुलासा : पति-पत्नी समेत तीन गिरफ्तार

रायपुर, । राजधानी रायपुर के खमतराई थाना क्षेत्र के महादेव चौक के पास रावाभांठा में हुई हत्या के मामले का पुलिस ने खुलासा किया है। पुलिस ने इस मामले में एक महिला सहित तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

बता दें कि 25 अगस्त 2025 को खमतराई थाना क्षेत्रांतर्गत मिलाल बाड़ा के पीछे खाली प्लॉट, रावाभांठा में एक बोरी के अंदर लाश मिलने से इलाके में हड़कंप मच गया था। शव का चेहरा कपड़े से बंधा हुआ और हाथ-पैर रस्सी से बंधे हुए थे। मौके पर बुलाए गए एफएसएल दल ने जांच की तो पता चला कि युवक की हत्या धारदार हथियार से कई वार कर की गई है। प्रथम दृष्ट्या यह मामला हत्या का लगने पर थाना खमतराई में धारा 103, 238 बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया गया। पुलिस की जांच और मृतक की पहचान वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. लाल उमेद सिंह ने घटना को गंभीरता से लेते हुए क्राइम ब्रांच और थाना खमतराई पुलिस को आरोपी की पतासाजी और मृतक की शिनाख्त का जिम्मा सौंपा। तकनीकी विश्लेषण, सीसीटीवी फुटेज और क्षेत्रीय पूछताछ के बाद मृतक की पहचान रामा माडे (23 वर्ष), निवासी मलकानगिरी, उड़ीसा के रूप में हुई। रामा रायपुर में आरआर इंडस्ट्रीज, मेटल पार्क रावाभांठा में मजदूरी का कार्य करता था। जांच के दौरान पता चला कि रामा माडे का उसी फैक्ट्री में काम करने वाली सोनम नामक विवाहित महिला से अवैध संबंध था। पुलिस ने जब सोनम से सख्ती से पूछताछ की तो उसने सच उगल दिया। सोनम ने बताया कि घटना के दिन वह और रामा माडे उसके घर में आपत्तिजनक स्थिति में थे। तभी उसका पति कृष्णा बंजारे अचानक घर पहुंच गया। दोनों को उस हालत में देखकर वह गुस्से से बेकाबू हो गया और लकड़ी के बत्ते से रामा माडे के सिर पर वार कर दिया। गंभीर चोट लगने से रामा की मौके पर ही मौत हो गई। हत्या को छिपाने के लिए देर रात सोनम और उसके पति कृष्णा ने अपने रिश्तेदार रामकृष्ण बंजारे उर्फ राजाराम को बुलाया। तीनों ने मिलकर शव के हाथ-पैर रस्सी से बांध दिए, पहचान छिपाने के लिए चेहरे पर कपड़ा बांधा और फिर शव को बोरी में भर दिया। इसके बाद आरोपी कृष्णा बंजारे अपनी मोटरसाइकिल सीजी 04 डीवी 9405 से शव को ले जाकर रावाभांठा स्थित खाली प्लॉट में फेंक आए। आरोपियों की गिरफ्तारी और बरामदगी पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए घटना के कुछ ही घंटों के भीतर तीनों आरोपियों कृष्णा बंजारे (44 वर्ष), निवासी आजाद नगर, महादेव चौक, रावाभांठा रामकृष्ण बंजारे उर्फ राजाराम (40 वर्ष), निवासी रावाभांठा तिरंगा चौक सोनम बंजारे (30 वर्ष), पत्नी कृष्णा बंजारे, को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपियों के पास से मृतक रामा माडे का मोबाइल फोन, हत्या में प्रयुक्त लकड़ी का डंडा और शव ले जाने में प्रयुक्त मोटरसाइकिल भी जब्त किया है।

जुआ खेल रहे 16 जुआरी पकड़ाये, लाखों रूपये बरामद

बालोद। जिले के गुंडरदेही थाना क्षेत्र में पुलिस ने रविवार देर रात जुआ खेल रहे 16 जुआरियों को गिरफ्तार कर लाखों रूपये बरामद किया है। यह कार्रवाई ग्राम डगनिया स्थित ग्रीन कोया फार्म के फ्लैट नंबर 10 के लॉन में की गई। मिली जानकारी के अनुसार गुंडरदेही थाना पुलिस का सूचना मिली थी कि थानाक्षेत्र के ग्राम डगनिया स्थित ग्रीन कोया फार्म के फ्लैट नंबर 10 में कुछ लोग जमा होकर जुआ खेल रहे है। सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर सभी जुआरियों को रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया। छापेमारी के दौरान 8 लाख 12 सौ रुपये नकद और 3 कारें जब्त की गईं। पुलिस ने मौके पर पकड़े गए आरोपियों के खिलाफ छत्तीसगढ़ जुआ प्रतिषेध अधिनियम 2022 की धारा 3(2) के तहत अपराध दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है। मामले में पुलिस ने मोहम्मद फहीम (38 वर्ष) निवासी गंज पारा, दुर्ग प्रमोद निवारे (37 वर्ष) निवासी चंगोराभाठा टिकरापारा, रायपुर रोशन कुमार (37 वर्ष) निवासी इंद्रप्रस्थ कॉलोनी, रायपुर अनिकेत लक्ष्यवाणी (27 वर्ष) निवासी रतन कॉलोनी दानिटोला, धमतरी राजीव तिवारी (34 वर्ष) निवासी शक्ति बाजार, रायपुर केवल दास भारती (30 वर्ष) निवासी कमल विहार, रायपुर नागेश्वर साहू (29 वर्ष) निवासी कांदुल मोहदापारा,ओमप्रकाश चंद्रा (32 वर्ष) निवासी देवसागर भटगांव, सारंगढ़-बिलाईगढ़ जितेंद्र सिंधी (32 वर्ष) निवासी इंद्रप्रस्थ मस्जिद के पास, रायपुर मनीष पटेल (30 वर्ष) निवासी लाखेनगर, रायपुर संजय महेश्वरी (50 वर्ष) निवासी गंजपारा, दुर्ग पप्पू साहू (38 वर्ष) निवासी राजीव नगर, दुर्ग हेमलाल ढीमर (26 वर्ष) निवासी रुआबांधा, दुर्ग परमानंद कुर्रे (30 वर्ष) निवासी हंचलपुर अर्जुनी, धमतरी कमलेश साहू (54 वर्ष) निवासी बोरियाखुर्द, रायपुर,जितेंद्र सिंह (32 वर्ष) निवासी बोरियाखुर्द।

रजत महोत्सव अंतर्गत आंगनबाड़ी केन्द्र स्तर पर बाल मेला का आयोजन किया गया

बीजापुर। कलेक्टर संबित मिश्रा के निर्देशन में महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा रजत महोत्सव अंतर्गत विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है, इस दौरान जिला महिला एवं बाल विकास अधिकारी, कांता मसराम द्वारा अवगत कराया गया कि आंगनबाड़ी केन्द्रों पर रजत जयंती के अवसर पर बाल मेला के आयोजन पर विभिन्न प्रकार के खेल गतिविधियों के माध्यम से बच्चों को अक्षर ज्ञान के साथ, बच्चों का मंनोरंजन गतिविधि किया जा रहा है, जिससे की बच्चों में आंगनबाड़ी के लिए रूचि बढ़े और बच्चों का सृजनात्मक विकास के साथ-साथ बौद्धिक विकास भी हो इसके लिए आंगनबाड़ी केन्द्र स्तर पर कार्यकर्ता के माध्यम से बच्चों को मिट्टी के खिलौना, गुड़िया, पत्थर से गिनती करना, हरी पत्ती को सजाना, तोरण बनाना, हाथ में कलर करना, फैंन्सी ड्रेस प्रतियोगिता का आयोजन कराया जा रहा है। कार्यक्रम में बच्चों के अभिभावक भी बढ़-चढ़कर हिस्सा ले रहे है, इस दौरान बच्चों के अभिभावकों को विभाग अंतर्गत मिलने वाली सुविधाओं, सहायता की भी जानकारी दिया जा रहा है, साथ ही बाल विवाह मुक्त ग्राम बनाने के लिए अपील भी किया जा रहा है। इस दौरान समस्त सेक्टर पर्यवेक्षक, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता द्वारा जानकारी दिया जा रहा है।

छंदगढ़ की स्व सहायता समूह दीदियों ने स्वच्छता और आत्मनिर्भरता की मिसाल कायम की

स्व सहायता समूह आत्मनिर्भरता और सशक्तिकरण का मार्ग - अध्यक्ष शांति करट्टामी

सुकमा। हम सबका है सपना, साफ-स्वच्छ हो छिंदगढ़ अपना इसी संकल्प को साकार करने की दिशा में छिंदगढ़ की कमल फूल स्व-सहायता समूह की महिलाएं को स्वच्छ रख रही हैं, साथ ही अपनी मेहनत और एकजुटता से आत्मनिर्भरता की ओर भी कदम बढ़ा रही हैं। कमल फूल स्व-सहायता समूह की अध्यक्ष शांति करट्टामी बताती हैं कि एक समय था जब मेरे पास न तो मकान था और न ही आर्थिक स्थित भी सही थी। फिर पीआरपी संगीता ने उन्हें बताया कि आप स्व सहायता समूह जुड़ कर अपने सपने को पूरा कर सकती है। उन्होंने बताया कि समूह में जुड़ने के बाद नियमित बचत और समय पर ऋण सुविधा के कारण आज मैने अपने सपनों का घर बना चुकी हैं। अध्यक्ष करट्टामी बताती हैं कि उन्होंने समूह से 60 हजार रुपये लेकर अपना मकान पूरा किया है और आज वह बेहद खुश हैं। स्व सहायता समूह की महिलाओं का कहना है कि समूह में जुड़ने से वे एक परिवार की तरह एक-दूसरे का साथ देती हैं, समस्याएँ साझा करती हैं और हर जरूरत के समय सहयोग करती हैं। अध्यक्ष शांति करट्टामी बताती है कि हर महिला को स्व-सहायता समूह से जुड़ना चाहिए, क्योंकि यही आत्मनिर्भरता और सशक्तिकरण का मार्ग है।

सितंबर 2024 से ग्राम पंचायत छिंदगढ़ के सहयोग से समूह ने स्वच्छता अभियान की जिम्मेदारी अपने हाथों में ली। 13 सदस्याओं वाला यह समूह प्रतिदिन सुबह दुकानों में जाकर गीला, सूखा और प्लास्टिक कचरा अलग-अलग एकत्र करते है। दोपहर में सभी महिलाएँ इकट्ठा होकर वेस्ट को पृथक करती हैं। प्लास्टिक और अन्य उपयोगी सामग्री को बेचकर समूह आय अर्जित करता है।

आर्थिक सशक्तिकरण का साधन बना स्वच्छता अभियान

समूह की महिलाएँ हर माह लगभग 15 से 20 हजार रुपये एकत्र कर रही हैं। इसमें ग्राम पंचायत से 15वें वित्त आयोग अंतर्गत प्राप्त राशि और गाँव की दुकानों से लिया जाने वाला स्वच्छता शुल्क भी शामिल है। यह धनराशि समूह भविष्य की आवश्यकताओं और सामाजिक कार्यों के लिए संचित किया जा रहा है।

चैतन्य बघेल को हाईकोर्ट से झटका,नही मिली राहत

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ के बहुचर्चित शराब घोटाले में आरोपी बनाए गए पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के बेटे चैतन्य बघेल द्वारा हाईकोर्ट में लगाई गई याचिका को छूट (लिबर्टी) के साथ खारिज कर दिया। सोमवार को हुई सुनवाई में हाईकोर्ट की डिवीजन बेंच ने कहा कि यदि चैतन्य को राहत चाहिए तो वे प्रेश आवेदन पेश करें, जिसमें केवल अपने मामले से संबंधित ही प्रार्थना हो। बता दें कि शराब घोटाला मालमे में आरोपी बनाये गये चैतन्य बघेल की ओर से ईओडब्ल्यू की कार्रवाई को गलत करार देते हुए हाईकोर्ट में याचिका लगाई थी। जिसपर पर सोमवार को सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान वरिष्ठ अधिवक्ता महेश जेठमलानी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए जुड़े, जबकि एन. हरिहरन और हर्षवर्धन परगानिया ने चैतन्य की ओर से पैरवी की। यह याचिका ईओडब्ल्यू की जांच रिपोर्ट की वैधता को चुनौती देने के लिए दायर की गई थी। पहली सुनवाई में राहत नहीं मिलने के बाद अब उनकी कानूनी टीम मंगलवार को नई याचिका दाखिल करेगी। गौरतलब है कि इससे पहले प्रवर्तन निदेशालय (ईडी की कस्टोडियल रिमांड समाप्त होने के बाद शनिवार 23 अगस्त को चैतन्य बघेल को कोर्ट में पेश किया गया था। जहां सुनवाई के बाद कोर्ट ने उन्हें तीसरी बार 14 दिन की न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया है। अब इस मामले में 6 सितंबर को अगली सुनवाई होगी।

पेयजल संकट से मिली राहत : महापौर पहुंचे मौके पर, प्रयास से वार्डवासियों ने ली चैन की सांस

जगदलपुर । सरदार वल्लभभाई पटेल वार्ड के गुरुद्वारा के सामने वाली गली में लंबे समय से पेयजल समस्या बनी हुई थी। नलों में पानी नहीं आना और पुरानी पाइपलाइन से गंदा पानी बहना वार्डवासियों की दिनचर्या को संकटमय बनाए हुए था। स्थानीय लोग कई दिनों से अपनी समस्या लेकर आवाज़ उठा रहे थे, लेकिन समाधान नहीं हो पा रहा था।

स्थिति की गंभीरता को देखते हुए महापौर संजय पांडे ने संज्ञान लिया और शनिवार को स्वयं मौके का निरीक्षण किया। उनके साथ एमआईसी सदस्य लक्ष्मण झा, सुरेश गुप्ता, वार्ड पार्षद श्वेता बघेल, कार्यकर्ता दिलीप सुंदरानी तथा नगर निगम का अमला भी मौजूद रहा।

महापौर संजय पाण्डे ने वार्डवासियों से बातचीत की तो लोगों ने साफशब्दों में कहा कि हम महीनों से शुद्ध पानी के लिए परेशान हैं, यदि निगम गंभीरता से कदम उठाए तो यह समस्या दूर हो सकती है। जनता की व्यथा सुनकर महापौर ने तत्काल निगम अधिकारी संजीव कर्ण को बुलाया और पाइपलाइन बदलने का निर्देश दिया। उनके सामने ही पुरानी जर्जर पाइपलाइन को हटाकर नई पाइपलाइन डलवाने का कार्य शुरू किया गया। पानी में फोर्स न होने के कारण लोग नाली के भीतर बिछे पाइप लाइन से पानी भर रहे थे। उस कनेक्शन को हटाकर तत्काल नया कनेक्शन लगाया गया और लोगों को राहत दिलवाई।

राहत और विश्वास का माहौल

महापौर के इस कदम से लोगों में राहत की सांस ली। पानी की समस्या से लंबे समय से जूझ रहे नागरिकों को भरोसा जगा कि अब उन्हें शुद्ध पेयजल मिल सकेगा। वार्डवासियों ने महापौर संजय पांडे के इस प्रयास के लिए आभार जताते हुए कहा कि जब नेतृत्व संवेदनशील हो और जनता की तकलीफ को अपनी जिम्मेदारी समझे, तभी ऐसे त्वरित समाधान संभव हैं।

जो लोग लंबे समय से नल बिल नहीं पटा रहे हैं महापौर ने उनसे आग्रह किया कि वे नल बिल नियत तिथि में पटाए।नगर निगम का दायित्व केवल सड़कों और नालियों तक सीमित नहीं है, बल्कि जीवन की मूलभूत आवश्यकताओ पानी, बिजली और सफाई की जिम्मेदारी भी है। सरदार वल्लभभाई पटेल वार्ड का पेयजल संकट इस बात का प्रमाण है कि समय रहते यदि प्रशासन और जनप्रतिनिधि सजग हों तो बड़ी समस्याओं को मौके पर ही सुलझाया जा सकता है। महापौर संजय पांडे का यह कदम न केवल वार्डवासियों को राहत देता है बल्कि प्रशासनिक सक्रियता का उदाहरण भी प्रस्तुत करता है।

एक माह में हुआ त्वरित निराकरण, विपत्तिग्रस्त परिजनों को मिली 4-4 लाख की आर्थिक सहायता

कलेक्टर के आदेश पर पीड़ित परिवारों को राहत, उपमुख्यमंत्री के निर्देश पर हुआ त्वरित भुगतान

कवर्धा। कबीरधाम जिले के तहसील सहसपुर लोहारा अंतर्गत ग्राम अचानकपुर में एक माह पूर्व घटित दर्दनाक हादसे में दो मासूम बच्चों की तालाब में डूबने से मृत्यु हो गई थी। इस दुखद घटना से पीड़ित परिजनों को राज्य सरकार की संवेदनशीलता और त्वरित प्रशासनिक कार्यवाही के तहत आर्थिक सहायता राशि प्रदान की गई है। कलेक्टर श्री गोपाल वर्मा द्वारा प्रकरण का नियमानुसार परीक्षण कर राजस्व पुस्तक परिपत्र (आरबीसी) 6-4 के अंतर्गत प्रत्येक पीड़ित परिवार को 4-4 लाख रुपए की आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत की गई। भुगतान की अनुमति मिलते ही आज अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) सहसपुर लोहारा श्रीमती शिल्पा देवांगन ने स्वीकृति पत्र परिजनों को प्रदान किया।

आर्थिक सहायता प्राप्त करने वालों में स्वर्गीय आशु धुर्वे (उम्र 6 वर्ष) की माता श्रीमती शिवबती पति राजू धुर्वे, निवासी ग्राम अचानकपुर और स्वर्गीय भारत कुमार साहू (उम्र 12 वर्ष) के पिता श्री थानूराम साहू पिता विष्णु साहू, निवासी ग्राम अचानकपुर है।इस अवसर पर तहसीलदार सहसपुर लोहारा श्री विवेक गोहिया, नायब तहसीलदार श्री नागेश ताजय एवं श्री हुलेश्वर कुमार पटेल भी उपस्थित रहे।

उल्लेखनीय है कि इस दर्दनाक घटना की जानकारी उपमुख्यमंत्री एवं कवर्धा विधायक श्री विजय शर्मा ने स्वयं संज्ञान में लेकर तत्काल कलेक्टर श्री गोपाल वर्मा को प्रकरण का त्वरित निराकरण करने तथा पीड़ित परिजनों को नियमानुसार आर्थिक सहायता प्रदान करने के निर्देश दिए थे। कलेक्टर श्री वर्मा की तत्परता से महज एक माह के भीतर प्रकरण का निराकरण कर सहायता राशि परिजनों को उपलब्ध करा दी गई। स्थानीय लोगों ने प्रशासन की इस त्वरित कार्यवाही को सराहते हुए कहा कि इससे पीड़ित परिवारों को कठिन समय में संबल मिलेगा।

सहकार भारती के बुनकर प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय अधिवेशन का समापन, 13 प्रस्ताव पारित

समापन सत्र में राज्यपाल रमेन डेका और कृषि मंत्री रामविचार नेताम हुए शामिल,

दैनिक लोकशक्ति,रायपुर। सहकार भारती का राष्ट्रीय बुनकर अधिवेशन भव्यता के साथ सम्पन्न हुआ। अधिवेशन में देशभर से आये बुनकर प्रतिनिधियों ने अपनी समस्याओं और सरकारी योजनाओं को लेकर चर्चा की। अधिवेशन का उद्देश्य हथकरघा और हस्तशिल्प में बढ़ते मशीनों के उपयोग, घटते बुनकरों की संख्या, सरकारी अनुदान में कमी सहित अनेक विषयों पर चर्चाएं हुई। अधिवेशन में केरल, महाराष्ट्र, बिहार मध्यप्रदेश, आसाम, पश्चिम बंगाल, सहित कुल 17 राज्यों के प्रतिनिधि शामिल हुए। अधिवेशन के दूसरे दिन बुनकरों ने 13 मांगों का प्रस्ताव पारित किया जिसे भारत सरकार को भेजा जायेगा। प्रस्ताव को बुनकर प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय संयोजक अनंत कुमार मिश्रा ने रखा जिसे देशभर से आये बुनकर प्रतिनिधियों ने दोनों हाथ उठाकर समर्थन दिया और सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित हुए।

नक्सलगढ़ की छवि अब सुधरेगी-

कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए वरिष्ठ मंत्री रामविचार नेताम ने छत्तीसगढ़ शांति का टापू है, यह बाबा गुरुघासीदास, बिरसामुंडा की धरती है। साल 2000 में छत्तीसगढ़ का उदय हुआ तो प्रदेश की बीजेपी सरकार ने इसे विकसित राज्य बनाने की कोशिश की, जिसका परिणाम है समकालीन राज्यों में छत्तीसगढ़ तेजी से विकसित हो रहा है। छत्तीसगढ़ को दूर से देखने वाले नक्सलगढ़ समझते है, पर यह शांति का टापू है। जल्द ही नक्सल समस्या का संधान भी हो जायेगा।

छत्तीसगढ़ में बुनकरों की स्थिति बेहद अच्छी नहीं है, आज भी हमारे द्वारा उपयोग किये जाने वाला राजकीय गमछा मशीनों से बना होता है, जबकि उसे हाथकरघा से बना होना चाहिए। हमें अच्छी क्वालिटी के उत्पाद तैयार करने जरूरत है।

राज्यपाल बोले- मै स्वयं बुनकरों के गाँव से आता हूँ।

समापन सत्र में राज्यपाल रमेन डेका ने आयोजन के लिए सहकार भारती और बुनकर प्रकोष्ठ के अधिवेशन में पधारें बुनकरों को बधाई देते हुए कहा कि ऐसा आयोजन निश्चित रूप से बुनकरों के जीवन में आमूल चूल परिवर्तन लाने वाला है। मेरे गाँव में बुनकरों की संख्या अधिक है, जिसके चलते उसे बुनकरों का गाँव कहा जाता है। भारत एक बड़े बाजार में रूप में उभरा है ऐसे में यहाँ बुनकर समितियों और पावरलूम में व्यापक संभावनाएं है। छत्तीसगढ़ का कोसा देशभर में प्रसिद्ध है उसे और बढ़ाने की जरुरत है, उन्होंने अमूल और लिज्जत पापड़ का उदाहरण देते हुए उनके जैसे काम करने की नसीहत दी। आसाम से आये बुनकर प्रतिनिधियों का राजभवन में अतिथि सत्कार किया गया।

बुनकरों के हित में 13 प्रस्ताव पारित हुए

दो दिवसीय अधिवेशन में देशभर से आये बुनकरों से चर्चा और मंथन उपरांत उनकी समस्याओं के निराकरण हेतु 13 प्रस्ताव पारित हुए जिसे भारत सरकार को भेजा जायेगा। सहकार भारती के राष्ट्रीय संगठन मंत्री संजय पाचपोर ने प्रस्तावों के संबंध में बताया कि बुनकरों के कल्याण हेतु राष्ट्रीय स्तर पर स्वतंत्र बुनकर कल्याण बोर्ड का गठन किया जाये जहां सरकारी योजनाओं की निगरानी और शिकायतों का समाधान हो।

हाथकरघा क्लस्टर और कॉमन फैसलेटी सेंटर का गठन, हाथकरघा वस्त्रो के निर्माण में लगने वाले जीएसटी को माफ करते हुए जीएसटी मुक्त किया जाये। राष्ट्रीय हाथकरघा नीति बनाने की मांग, बुनकरों के लिए पर्यटन सहित 13 प्रस्ताव पारित किया गया।

राष्ट्रीय बुनकर प्रकोष्ठ का पुनर्गठन-

सहकार भारती के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. उदय जोशी ने राष्ट्रीय बुनकर प्रकोष्ठ का पुनर्गठन किया, जिसमें अनंत कुमार मिश्र को संयोजक बनाते हुए आसाम गुजरात महाराष्ट्र, उड़ीसा छत्तीसगढ़ के बुनकरों को सदस्य बनाने की घोषणा की। कार्यक्रम में सहकार भारती के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. उदय जोशी, राष्ट्रीय महामंत्री दीपक चौरसिया, राष्ट्रीय संगठन मंत्री श्री संजय पाचपोर, आरबीआई व नाबार्ड के डायरेक्टर सतीश मराठे, राष्ट्रीय महिला प्रमुख रेवती शेंदुर्निकर, छत्तीसगढ़ सहकार भारती के संगठन महामंत्री कनीराम जी, अधिवेशन संयोजक सुरेंद्र पाटनी, सहसंयोजक पुरुषोत्तम देवांगन, अधिवेशन व्यवस्था प्रमुख अजय अग्रवाल, प्रदेश कार्यालय मंत्री सहित कार्यक्रम से जुड़े सभी कार्यकर्ताओं की बड़ी संख्या में उपस्थिति रही।

धर्मांतरण के आरोप को लेकर विश्व हिन्दू परिषद व बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने किया विरोध

कोरबा। जिले के बालको थाना क्षेत्र में रविवार को धर्मांतरण के आरोप को लेकर माहौल गरमा गया। गणेश नगर वार्ड क्रमांक 41 में प्रार्थना सभा के नाम पर धर्मांतरण गतिविधियां संचालित होने की सूचना पर विश्व हिन्दू परिषद और बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने जमकर विरोध किया। बजरंग दल जिला प्रमुख राणा मुखर्जी ने बताया कि संगठन के सदस्यों को जानकारी मिली थी कि वार्ड 41 में प्रार्थना सभा के दौरान धर्मांतरण की कोशिश की जा रही है। इस पर कार्यकर्ता मौके पर पहुँचे और गतिविधियों को बंद करने की चेतावनी दी। इस दौरान दोनों पक्षों में तीखी बहस और कहासुनी हो गई। विवाद बढ़ने पर मामला बालको थाना पहुँचा, जहां विश्व हिन्दू परिषद और बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने थाने के सामने नारेबाजी करते हुए उग्र प्रदर्शन किया। संगठन के नेताओं ने कहा कि वे धर्मांतरण जैसी गतिविधियों को किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं करेंगे और ऐसे मामलों में आगे भी कड़ा रुख अपनाएँगे।

स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पुलिस को हस्तक्षेप करना पड़ा। पुलिस अधिकारियों की मौजूदगी में दोनों पक्षों के बीच लिखित समझौता कराया गया और मामला शांत कराया गया।

सड़क की जर्जर हालत और जल भराव से परेशान हुए व्यापारी, सड़क में गड्ढे के पानी में नहाकर किया अनोखा विरोध प्रदर्शन

कोरबा जिले के नेताओं और अफसरों की हकीकत का पर्दाफाश

कोरबा । छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले में जर्जर सड़क और उसमें पानी भराव से परेशान व्यापारियों ने शासन और प्रशासन का ध्यान आकृष्ट करने के लिए अनोखा रास्ता अपनाया। बारिश के कारण सड़क के गड्ढों में इन दिनों घुटने तक पानी भरा है। रविवार को क्षेत्र के सभी व्यापारी सड़क में गड्ढों के पास एकत्र हुए और गड्ढों के पानी से स्नान कर अपना आक्रोश प्रगट किया।

कोरबा जिले के कुसमुंडा नगर क्षेत्र के लोग बीते एक दशक से सड़क की समस्या से जूझ रहे हैं। छः साल पहले यहां पर फोरलेन सड़क निर्माण का कार्य शुरू हुआ भी लेकिन वह अब तक अधूरा है। कुसमुंडा के विकास नगर इमली छापर में ओवर ब्रिज का काम बंद होने की वजह से लोगों को भारी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। विकास नगर कुसमुंडा फोर लाइन में एक स्थान पर तो लगभग 100 मीटर तक जल भराव की स्थिति है। इसके अलावा व्यापारियों की दुकान की ओर की सड़क पूरी तरह से गड्ढों में बदल चुकी है। यहां पर केवल बड़े-बड़े गड्ढे ही दिखाई पड़ते हैं। इमली छापर चैक, चर्च कॉम्प्लेक्स के पास व्यापारियों की दुकानों के सामने तालाब के समान विशाल गड्ढों से लोगों की आवाजाही में बहुत परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। ऐसे में इन सभी समस्याओं को लेकर आज रविवार को विकासनगर इमली छापर कुसमुंडा के व्यापारियों ने अनोखा विरोध प्रदर्शन किया। स्थानीय व्यापारी सड़क में जल भराव वाले स्थान पर बाल्टी लेकर पहुंचे और बाकायदा सड़क में जमा पानी से नहाए लगे। उन्होंने साबुन भी लगाया।

इस अनोखा प्रदर्शन में व्यापारिक संघ के अध्यक्ष अशोक राठौर ने बताया कि बीते लगभग 2 साल से यहां पर यही स्थिति है। बारिश के शुरू होते ही यहां पर लगभग 100 मीटर में पानी भर जाता है। आगे सड़क खराब हो गई, टूट गई है। व्यापारियों का व्यवसाय पूरी तरह से चैपट हो चुका है। कॉलोनीवासी भी जो ड्यूटी करने जा रहे है, उनकी भी आवाजाही मुश्किल हो गई है। इसलिए उन्होंने शासन प्रशासन का ध्यान इस ओर आकर्षित करने ऐसा सांकेतिक प्रदर्शन किया है।

व्यापारी संघ अध्यक्ष ने कहा कि हम यहां पर एक सांकेतिक प्रदर्शन किए हैं। शासन प्रशासन को जगाने के लिए यहां की जो समस्याएं हैं उससे अवगत कराने जो फोर लाइन का निर्माण किया गया है उसमें ना नाली का निर्माण किया गया है जिससे पानी का निकासी हो सके और निकासी नहीं होने

कलेक्टर ने भेजी जन्मदिन बधाई संदेश, प्रोत्साहित किया बच्चों संग जश्न मनाने को

रायपुर, मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के निर्देश पर प्रधानमंत्री पोषण शक्ति योजना तथा न्योता भोज के तहत जिला प्रशासन की अभिनव पहल प्रोजेक्ट आओ बांटे खुशियां के तहत जिला रायपुर में विभिन विभाग में कार्यरत शासकीय अधिकरियों एवं कर्मचारियों को जन्मदिन की शुभकामनाएं दी जा रही है एवं जन्मदिन आंगनबाड़ी या स्कूल में मनाने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। इसी कड़ी में स्थल सहायक श्री अश्वनी कुमार साहू, लेक्चरर श्री प्रमोद कुमार साहू ने बच्चों के साथ केक काटकर और पौष्टिक आहार के साथ अपना जन्मदिन मनाया। प्रोजेक्ट के तहत कलेक्टर डॉ गौरव सिंह ने 53 कर्मचारियों को एसएमएस द्वारा ई-कार्ड के माध्यम से जन्मदिन की पूर्व संध्या बधाई संदेश भेजा एवं नजदीकी आंगनबाड़ी अथवा स्कूल की जानकारी दी गई।

166 महतारी सदन की मिली स्वीकृति, 25 सौ वर्गफुट में बनेगा महतारी सदन

महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने में सहायक होगा महतारी सदन- उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा

166 महतारी सदन हेतु 49 करोड़ 80 लाख रुपये जारी

0 अब तक 368 महतारी सदन की स्वीकृति, 50 से अधिक महतारी सदन पूर्ण

0 महतारी सदन में कमरा, बरामदा, हाल, किचन, स्टोररूम, पेयजल हेतु ट्यूबवेल और सामुदायिक शौचालय जैसी होंगी सुविधायें

रायपुर, । प्रदेश के प्रत्येक ग्राम पंचायतों में ग्रामीण महिलाओं को स्वावलंबी एवं आत्मनिर्भर बनाने तथा आपसी समरसता स्थापित करने सामायिक कार्यक्रमों में सामूहिक भागीदारी तथा महिला सशक्तिकरण के उद्देश्य से उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा के निर्देशानुसार महतारी सदन का निर्माण कार्य किया जाना है। उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा के प्रयास से 166 महतारी सदन की स्वीकृति आदेश जारी किया गया है, इसके लिए 49 करोड़ 80 लाख रुपये की स्वीकृति जारी की गई है। उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने कहा कि न्यू इंडिया के ग्रोथ साइकल में महिलाओं की भागीदारी लगातार बढ़ रही है। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की आत्मनिर्भर भारत अभियान महिलाओं की क्षमता को देश के विकास के साथ जोड़ रहा है। प्रदेश के ग्राम पंचायतों में बनने जा रहा महतारी सदन भी इसी दिशा में एक प्रयास है। उन्होंने कहा कि लगातार ग्राम भ्रमण के दौरान महिलाओं द्वारा बैठने की स्थान न होने की शिकायत की और बैठने हेतु स्थान दिलाने की मांग की जाती रही इसलिए महतारी सदन बनाने का विचार आया। ततपश्चात महिलाओं को रोजगार दिलाने और उनको काम काज के लिए स्थान उपलब्ध कराने के लिए प्रदेश सरकार गांवों में महतारी सदन बनाने जा रही है। अब तक 368 महतारी सदन की स्वीकृति इसी उद्देश्य को पूर्ति के लिये जारी किया गया है। कार्यों में एकरूपता के दृष्टिकोण से पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा कार्य का एक मानक डिजाईन एवं प्राक्कलन तैयार किया गया है। प्रति महतारी सदन की लागत राशि रुपये 30 लाख होगी।

5 वर्षो में सभी ग्राम पंचायतों में महतारी सदन बनाने की योजना प्रदेश के सभी ग्राम पंचायतों में महतारी सदन बनाया जाएगा। महतारी सदन बनाने की शुरुआत हो गयी है। पहले चरण में प्रदेश के प्रत्येक विकासखंड में महतारी सदन बनना प्रारंभ किया जा रहा है व 5 साल में सभी ग्राम पंचायत में महतारी सदन बनेंगे। प्रदेश में बनने वाले महतारी सदन का निर्माण लगभग 25 सौ वर्गफुट में कराया जाएगा। सदन में कमरा, शौचालय, बरामदा, हाल, किचन और स्टोररूम जैसी सुविधाएं रहेगी। पानी के लिए ट्यूबवेल के साथ वाटर हार्वेस्टिंग भी किया जाएगा। महिलाओं की सुरक्षा के लिए इसमे बॉउंड्रीवाल भी बनाये जाएंगे।

कांग्रेस में गहराया विवादः रविंद्र चौबे के बयान पर हाईकमान तक पहुंची शिकायत

रायपुर

छत्तीसगढ़ कांग्रेस में अंदरूनी खींचतान और तेज हो गई है। पूर्व मंत्री और वरिष्ठ नेता रविंद्र चौबे द्वारा भूपेश बघेल को प्रदेश कांग्रेस की कमान सौंपने की मांग पर सियासी घमासान छिड़ गया है। पीसीसी अध्यक्ष दीपक बैज ने इस मामले की शिकायत हाईकमान से कर दी है। अब जल्द ही कांग्रेस अनुशासन समिति की बैठक बुलाए जाने की संभावना है, जिसमें चौबे के बयान पर चर्चा हो सकती है।

भूपेश बघेल के समर्थन में चौबे

भूपेश बघेल के जन्मदिन पर आयोजित कार्यक्रम में रविंद्र चौबे ने कहा था कि प्रदेश की जनता चाहती है कि कांग्रेस की कमान बघेल संभालें। उन्होंने दावा किया कि उनके नेतृत्व में 2028 में पार्टी दोबारा सत्ता में लौट सकती है। चौबे ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं से बघेल का हाथ मजबूत करने की अपील करते हुए कहा कि वे ही ऐसे नेता हैं जो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ खुलकर आवाज उठाते हैं। चौबे ने केंद्र की एजेंसियों की कार्रवाई का जिक्र करते हुए कहा, ईडी सुन ले, भूपेश बघेल शेर हैं, डरने वाले नेता नहीं।÷

पायलट से शिकायत

कांग्रेस के ही कुछ नेताओं ने चौबे के बयान की शिकायत पार्टी प्रभारी सचिन पायलट से भी की है। उनका आरोप है कि वरिष्ठ नेता संगठन को अस्थिर करने का प्रयास कर रहे हैं। हालांकि इस पर सार्वजनिक तौर पर कोई भी नेता खुलकर बोलने से बच रहा है। इधर पीसीसी चीफदीपक बैज ने चौबे के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा, ÷वे महाज्ञानी नेता हैं, उनके बयान पर टिप्पणी की जरूरत नहीं।÷

नेतृत्व पर उठ रहे सवाल

चौबे का यह बयान कांग्रेस की अंदरूनी राजनीति से जोड़ा जा रहा है। मौजूदा समय में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज हैं, लेकिन चौबे का बघेल के नेतृत्व पर जोर देना संगठन में असंतोष का संकेत माना जा रहा है।

विपक्ष का हमला

इस पूरे घटनाक्रम पर उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने कांग्रेस पर तंज कसते हुए कहा कि पार्टी में आंतरिक कलह कोई नई बात नहीं है। उन्होंने कहा, ÷कांग्रेस के नेता आपस में ही झगड़ते रहते हैं। इन्हीं झगड़ों की वजह से कार्यकर्ताओं और जनता का विश्वास टूट चुका है। भूपेश बघेल के नेतृत्व में ही कांग्रेस लोकसभा और विधानसभा चुनाव हार चुकी है। जब जनता और पार्टी दोनों को भरोसा नहीं, तो रविंद्र चौबे के भरोसे से कुछ होने वाला नहीं है।÷

लालगंगा पटवा भवन में संवत्सरी महापर्व पर विशेष कार्यक्रम 27-28 को

रायपुर (संवाददाता)। जैन समुदाय का प्रमुख पर्व संवत्सरी महापर्व इस वर्ष 27 और 28 अगस्त को राजधानी स्थित लालगंगा पटवा भवन, टैगोर नगर में धूमधाम से मनाया जाएगा। रायपुर श्रमण संघ के अध्यक्ष अशोक पटवा ने बताया कि इस अवसर पर दो दिनों तक विविध धार्मिक कार्यक्रम आयोजित होंगे।

संवत्सरी महापर्व का महत्व

जैन धर्म में संवत्सरी महापर्व आत्मशुद्धि और क्षमा का पर्व माना जाता है। इसे पर्युषण पर्व का समापन दिवस भी कहा जाता है। इस दिन साधु-साध्वियाँ और श्रावक-श्राविकाएँ पूरे वर्ष में किए गए अपराधों, भूलों और अनुचित कर्मों के लिए क्षमा मांगते हैं। इसे जैन समाज में क्षमापना दिवस भी कहा जाता है। संवत्सरी को ÷अंतर्राष्ट्रीय क्षमा दिवस÷ के रूप में भी जाना जाता है। **कार्यक्रम का विस्तृत विवरण**

पहला दिनः 27 अगस्त (बुधवार) ङ्क संवत्सरी महापर्व सुबह 8:15 बजे अंतागढ़ सूत्र वाचन होगा।

दोपहर में धर्मचर्चा एवं आत्मालोचना कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।

शाम 6 बजे श्रावक-श्राविकाओं और बच्चों का सामूहिक प्रतिक्रमण होगा।

दूसरा दिनः 28 अगस्त (गुरुवार) ङ्क क्षमापना एवं पारणा महोत्सव

सुबह 6:30 बजे क्षमापना कार्यक्रम होगा।

बाहर से पधारी स्वाध्यायी बहनों का सम्मान किया जाएगा।

इसके बाद सामूहिक पारणा की व्यवस्था की गई है।

समाज को आह्वान

रायपुर श्रमण संघ के अध्यक्ष श्री अशोक पटवा ने कहाः ÷आप सभी श्रमण संघ की आन, बान और शान हैं। संघ की शोभा आपसे ही है। अतः अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर इस संवत्सरी महापर्व और क्षमापना-पारणा महोत्सव को सफल बनाइए।÷

लोकशक्ति
www.lokshakti.in

संपादकीय

ऑनलाइन गेम्स पाबंदी सराहनीय

देश में ऑनलाइन मनी गेम्स पर प्रतिबंध लगाने वाला कानून पारित हो गया है। ऐसे सभी ऑनलाइन गेम्स जिनमें किसी भी तरह से पैसों का लेन-देन होता है, उन पर प्रतिबंध लग जाएगा। यह एक बहुत बड़ा फैसला है। इसका मतलब यह होगा कि ऑनलाइन सट्टेबाजी और गेम्स के नाम पर किसी भी तरह का पैसों का लेन-देन पूरी तरह से गैरकानूनी हो जाएगा। ऑनलाइन गेम्स में न कोई पैसा लगाएगा, न कोई पैसा कमाएगा, न कोई पैसा गँवाएगा, न कोई पैसा जीतेगा। वे सभी प्लेटफॉर्म बंद हो जाएँगे जिनमें लोग पैसा लगाते थे। इससे सरकार को लगभग बीस हज़ार करोड़ रुपये के कर राजस्व का नुकसान होगा। फिक्की की रिपोर्ट के अनुसार, 2029 में इन गेमिंग कंपनियों से सरकार की आय 78 हज़ार 500 करोड़ रुपये तक पहुँच जाएगी। ऑनलाइन गेमिंग का खेल कितना बड़ा है, इसे समझने के लिए मैं फैंटेसी क्रिकेट कंपनी ड्रीम-11 का उदाहरण है। इसमें टीम बनाने के लिए पैसे दिए जाते हैं।

सपा का पीडीए फार्मूला बिहार में भी लागू होगा

अजय कुमार,

समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने आज लखनऊ में अपने पार्टी मुख्यालय पर एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित किया। इस प्रेस वार्ता में उन्होंने केंद्र और उत्तर प्रदेश की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार पर तीखे हमले किए, साथ ही कई सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक मुद्दों पर अपनी राय रखी। अखिलेश ने चुनाव आयोग, कानून व्यवस्था, और सामाजिक न्याय जैसे मुद्दों पर गंभीर सवाल उठाए, जबकि 2027 के विधानसभा चुनाव में सपा की रणनीति और इंडिया गठबंधन की एकजुटता पर भी जोर दिया।अखिलेश यादव ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में चुनाव आयोग पर निष्पक्षता की कमी का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि आयोग अपनी जिम्मेदारी निभाने में विफल रहा है और प्रशासनिक अधिकारियों के सहारे सत्ता पक्ष को फायदा पहुंचाने का काम कर रहा है। अखिलेश ने विशेष रूप से मतदाता सूची में कथित हेरफेर और धांधली का मुद्दा उठाया, जिसमें उन्होंने कहा कि विपक्षी समर्थकों को निशाना बनाया जा रहा है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि चुनाव प्रक्रिया में पारदर्शिता नहीं लाई गई, तो यह लोकतंत्र के लिए गंभीर खतरा साबित होगा।

अखिलेश ने समाजवादी पार्टी की नेता पूजा पाल द्वारा लगाए गए आरोपों पर भी अपनी बात रखी। पूजा पाल ने हाल ही में अपनी जान को खतरा होने की बात कही थी, जिसके जवाब में अखिलेश ने सवाल उठाया कि यदि कोई व्यक्ति मुख्यमंत्री से मिलकर आता है और फिर विपक्षी नेता को खतरा बताता है, तो इसकी सच्चाई की जांच होनी चाहिए। उन्होंने मांग की कि इस मामले की निष्पक्ष जांच केंद्र सरकार द्वारा कराई जाए, न कि राज्य सरकार द्वारा, ताकि सत्य सामने आ सके। अखिलेश ने केंद्रीय गृह मंत्रालय से इस प्रकरण की जांच की अपील भी की।प्रेस कॉन्फ्रेंस में अखिलेश ने पूर्व उपराष्ट्रपति ओपी धनखड़ के अचानक इस्तीफे और उनकी वर्तमान स्थिति पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि एक संवैधानिक पद पर रहे व्यक्ति का अचानक गायब हो जाना गंभीर चिंता का विषय है। अखिलेश ने सरकार और भाजपा से मांग की कि वे धनखड़ के इस्तीफे की वजह और उनकी वर्तमान स्थिति को स्पष्ट करें। उन्होंने इसे राष्ट्रीय सुरक्षा और पारदर्शिता से जोड़ते हुए कहा कि जनता को सच्चाई जानने का हक है। अखिलेश ने बुनकर समाज की समस्याओं को उठाते हुए कहा कि बिचौलियों के कारण बुनकरों की आय प्रभावित हो रही है। उन्होंने सरकार से मांग की कि बुनकरों को पूंजी, आधुनिक उपकरण, और बाजार तक पहुंच प्रदान की जाए। इसके अलावा, उन्होंने उत्तर प्रदेश में प्राथमिक शिक्षा की गिरती स्थिति और सरकारी स्कूलों की जमीनों पर कब्जे के आरोप लगाए। अखिलेश ने कहा कि भाजपा सरकार शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे बुनियादी मुद्दों पर विफल रही है, जिसके कारण गरीब और वंचित वर्ग प्रभावित हो रहे हैं। उत्तर प्रदेश की कानून व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए अखिलेश ने कहा कि भाजपा शासन में अफसरशाही बेलगाम हो गई है। उन्होंने कानपुर, कौशांबी, और बदायूं की घटनाओं का जिक्र किया, जहां उन्होंने पुलिस और प्रशासन पर पक्षपात का आरोप लगाया। अखिलेश ने यह भी कहा कि विपक्षी नेताओं को जनता से मिलने से रोका जा रहा है, जो लोकतंत्र के लिए खतरा है। उन्होंने योगी सरकार पर तंज कसते हुए कहा कि मुख्यमंत्री के पास एक ष्हिडन फोर्स है, जो उनके इशारे पर काम करती है। अखिलेश ने बिहार विधानसभा चुनाव 2025 को लेकर अपनी रणनीति का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि सपा का पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) फॉर्मूला, जिसने 2024 के लोकसभा चुनाव में उत्तर प्रदेश में शानदार सफलता दिलाई, अब बिहार में भी लागू किया जाएगा।

गणेश हैं विघ्नहर्ता–मंगलकर्ता एवं जीवंत राष्ट्रीयता के प्रतीक

ललित गर्ग
लेखक, पत्रकार, स्तंभकार

भारतीय संस्कृति और धर्मजगत में गणेशजी का स्थान अद्वितीय है। वे विघ्नहर्ता, बुद्धिदाता, मंगलकर्ता और उन्नत राष्ट्र-निर्माता हैं। वे न केवल भारतीय संस्कृति एवं जीवनशैली के कण-कण में व्याप्त है बल्कि विदेशों में भी घर-कारों-कार्यालयों एवं उत्पाद केन्द्रों में विद्यमान हैं। किसी भी शुभ कार्य की शुरुआत उनके पूजन के बिना अधूरी मानी जाती है। उनके स्वरूप में ही गहन प्रतीकात्मकता निहित है, हाथी का विशाल मस्तक विवेक और दूरदर्शिता का प्रतीक है, छोटा मुख संयमित वाणी का द्योतक है, बड़े कान अधिक सुनने और कम बोलने की शिक्षा देते हैं, छोटा नेत्र गहराई से देखने की प्रेरणा देता है और विशाल उदर सहिष्णुता व समावेशिता का बोध कराता है। मनुष्य के दैनिक कार्यों में सफलता, सुख-समृद्धि की कामना, बुद्धि एवं ज्ञान के विकास एवं किसी भी मंगल कार्य को निर्विघ्न सम्पन्न करने हेतु गणेशजी को ही सर्वप्रथम पूजा जाता है, याद किया जाता है। प्रथम देव होने के साथ-साथ उनका व्यक्तित्व बहुआयामी है, लोकनायक का चरित्र हैं। गणेश शिवजी और पार्वती के पुत्र हैं, ऐसे सार्वभौमिक, सार्वकालिक एवं सार्वदैशिक लोकप्रियता वाले देव का जन्मोत्सव भाद्रपद मास के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी को सम्पूर्ण दुनिया में उमंग एवं हर्षोल्लास से मनाया जाता है। गणेशोत्सव हिन्दुओं का एक उत्सव है।

भारतीय धर्म-दर्शन में गणेश जी 'आरंभ के देवता' हैं। वैदिक परंपरा से लेकर पुराणों और लोककथाओं तक, वे हर युग में 'मार्गदर्शक' बने रहे हैं। यही कारण है कि उन्हें 'सर्वोपास्य' देवता कहा गया, सभी पंथों, संप्रदायों और वर्गों के लोग उनके पूजन में समान रूप से भाग लेते हैं। गणेशजी को प्रथम लिपिकार माना जाता है उन्होंने ही देवताओं की प्रार्थना पर वेद व्यासजी द्वारा रचित महाभारत को लिपिबद्ध किया था। जैन एवं बौद्ध धर्मों में भी गणेश पूजा का विधान है। अनंतकाल से अनेक नामों से गणेश दुख, भय, चिन्ता इत्यादि विघ्न के हरणकर्ता के रूप में पूजित होकर मानवों का संताप हरते रहे हैं। गणेश जी का पूजन केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं है, बल्कि सामाजिक और राष्ट्रीय एकता का माध्यम भी है। स्वतंत्रता संग्राम के दौर में लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक ने गणेशोत्सव को सार्वजनिक रूप दिया। इससे गणेश चतुर्थी केवल पारिवारिक पर्व न रहकर जनजागरण और राष्ट्रभक्ति का प्रतीक बन गई। तिलक ने इसे सामाजिक समरसता और राष्ट्रीय चेतना के मंच के रूप में स्थापित किया, जिसने भारत को स्वतंत्रता संग्राम के लिए एकजुट करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

वर्तमान काल में स्वतंत्रता की रक्षा, राष्ट्रीय चेतना, भावनात्मक एकता और अखंडता की रक्षा के लिए गणेशजी की पूजा और गणेश चतुर्थी के पर्व का उत्साहपूर्वक मनाने का अपना विशेष महत्व है। आज के समय में जब समाज विभिन्न मत-मतांतरों, भाषाओं और संस्कृतियों में बंटा दिखाई देता है, तब गणेशजी पुनः राष्ट्रीय एकता के प्रतीक बनकर सामने आते हैं। उनका स्वरूप हमें विविधता में एकता, सहिष्णुता, धैर्य और विवेकपूर्ण निर्णय की प्रेरणा देता है। गणेश जी हमें बताते हैं कि बुद्धि और करुणा का समन्वय ही प्रगति का मार्ग है। आज जब विश्व हिंसा, कट्टरता और असहिष्णुता से जूझ रहा है, तब गणेश चतुर्थी का पर्व हमें समन्वय और सहयोग का संदेश देता है। वे केवल धार्मिक आस्था के देवता ही नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक और राष्ट्रीय एकता के जीवंत प्रतीक हैं।

हिन्दुओं में गणेशजी के जन्म के विषय में अलग-अलग कथाएँ प्रचलित हैं। वराह पुराण के अनुसार स्वयं शिव ने पंच तत्त्वों को मिला कर गणेश का निर्माण बहुत तन्मयता से किया। जिससे वे अत्यंत सुन्दर और आकर्षक बने तो देवताओं में खलबली मच गयी, स्थिति को भांप कर शिव ने गणेश के पेट का आकार बढ़ा दिया और सिर को गजानन की आकृति का कर दिया ताकि उनके सौन्दर्य और आकर्षण को कम किया जा सके। शिव पुराण के अनुसार एक बार पार्वती ने अपने उबटन के मैल से एक पुतला बनाया और उसमें जीवन डाल दिया। इसके उपरांत उन्होंने इस जीवधारी पुतले को द्वार पर प्रहरी के रूप में बैठा दिया और उसे आदेश दिया कि वह किसी भी व्यक्ति को अंदर न आने दे। इसके बाद वे स्नान करने लग गई। संयोगवश कुछ ही समय बाद शिव उधर आ निकले। उनसे सर्वथा अपरिचित गणेश ने शिव को भी अंदर जाने से रोक दिया। इस पर शिव अत्यंत क्रोधित हुए और उन्होंने अपने त्रिशूल से गणेश का मस्तक काट दिया। पार्वती ने यह देखा तो वे बहुत दुखी हुईं। तब पार्वती को प्रसन्न करने के लिए शिव ने एक हाथी के बच्चे का सिर गणेश के धड़ से लगाकर उन्हें पुनर्जीवित कर दिया। तभी से गणेश, गजानन कहलाए। लेकिन बालक की आकृति से पार्वती बहुत दुखी हुई तो सभी देवताओं ने उन्हें आशीर्वाद और अतुलनीय उपहार भेंट किए, उन्हें प्रथम देव के रूप में सभी अधिकार प्रदत्त किये। इंद्र ने अंकुश, वरुण ने पाश, ब्रह्मा ने अमरत्व, लक्ष्मी ने ऋद्धि-सिद्धि और सरस्वती ने समस्त विद्याएँ प्रदान कर उन्हें देवताओं में सर्वोपरि बना दिया।

ऋद्धि-सिद्धि गणेशजी की पत्नियाँ हैं। वे प्रजापति विश्वकर्ता की पुत्रियां हैं। गणेश की पूजा यदि विधिवत की जाए, तो इनकी पतिव्रता पत्नियां ऋद्धि-सिद्धि भी प्रसन्न होकर घर-परिवार में सुख-शांति-समृद्धि और संतान को निर्मल विद्या-बुद्धि देती है। सिद्धि से 'क्षेम' और ऋद्धि से 'लाभ' नाम के शोभा सम्पन्न दो पुत्र हुए। जहां भगवान गणेश विघ्नहर्ता हैं तो उनकी पत्नियां ऋद्धि-सिद्धि यशस्वी, वैभवशाली व प्रतिष्ठित बनाने वाली होती है। वहीं शुभ-लाभ हर सुख-सौभाग्य देने के साथ उसे स्थायी और सुरक्षित रखते हैं। जन-जन के कल्याण, धर्म के सिद्धान्तों को व्यावहारिक रूप प्रदान करने एवं सुख-समृद्धि-निर्विघ्न शासन व्यवस्था स्थापित करने के कारण मानव-जाति सदा उनकी ऋणी रहेगी। आज के शासनकर्ताओं को गणेश के पदचिन्हों पर चलने की जरूरत है।

गणेशजी की सम्पूर्ण शारीरिक रचना के पीछे भगवान शिव की व्यापक सोच रही है। एक कुशल, न्यायप्रिय एवं सशक्त शासक एवं देव के समस्त गुण उनमें समाहित किये गये हैं। गणेशजी का गज मस्तक हैं अर्थात वह बुद्धि के देवता हैं। वे विवेकशील हैं। उनकी स्मरण शक्ति अत्यन्त कुशाग्र हैं। हाथी की भ्रांति उनकी प्रवृत्ति प्रेरणा का उद्गम स्थान धीर, गंभीर, शांत और स्थिर चेतना में है। हाथी की आंखें अपेक्षाकृत बहुत छोटी होती हैं और उन आँखों के भावों को समझ पाना बहुत कठिन होता है। दरअसल गणेश तत्ववेत्ता के आदर्श रूप हैं। गण के नेता में गुरुता और गंभीरता होनी चाहिए। उनके स्थूल शरीर में वह गुरुता निहित है। उनका विशाल शरीर सदैव सतर्क रहने तथा सभी परिस्थितियों एवं कठिनाइयों का सामना करने के लिए तत्पर रहने की भी प्रेरणा देता है। उनका लंबोदर दूसरों की बातों की गोपनीयता, बुराइयों, कमजोरियों को स्वयं में समाविष्ट कर लेने की शिक्षा देता है तथा सभी प्रकार की निंदा, आलोचना को अपने उदर में रख कर अपने कर्तव्य पथ पर अडिग रहने की प्रेरणा देता है। छोटा मुख कम, तर्कपूर्ण तथा मृदुभाषी होने का द्योतक है।

गणेश का व्यक्तित्व रहस्यमय हैं, जिसे पढ़ पाना एवं समझ पाना हर किसी के लिये संभव नहीं है। शासक भी वही सफल होता है जिसके मनोभावों को पढ़ा और समझा न जा सके। इस प्रकार अच्छा शासक वही होता है जो दूसरों के मन को तो अच्छी तरह से पढ़ ले परन्तु उसके मन को कोई न समझ सके। दरअसल वे शौर्य, साहस तथा नेतृत्व के भी प्रतीक हैं। उनके हेरांब रूप में युद्धप्रियता का, विनायक रूप में यक्षों जैसी विकरालता का और विघ्नेश्वर रूप में लोकरंजक एवं परोपकारी स्वरूप का दर्शन होता है। गण का अर्थ है समूह। गणेश समूह के स्वामी हैं इसीलिए उन्हें गणाध्यक्ष, लोकनायक, गणपति आदि नामों से पुकारा जाता है। इसलिए गणेश चतुर्थी मनाना केवल धार्मिक परंपरा का निर्वाह नहीं है, बल्कि यह हमारी सांस्कृतिक चेतना को जागृत करने, सामाजिक समरसता को मजबूत करने और राष्ट्रीय एकता को पुष्ट करने का संकल्प है।

यह निजी विचार है।

जेल से सरकार चलाने के खिलाफ कानून–पक्ष–विपक्ष में टकराव के निहितार्थ

संजय सक्सेना,लखनऊ
वरिष्ठ पत्रकार

भारतीय लोकतंत्र में संसदीय प्रक्रियाएँ वह रीढ़ हैं, जो जनता की आवाज को कानून के रूप में ढालती हैं। लेकिन जब विपक्ष, जो लोकतंत्र का एक महत्वपूर्ण स्तंभ है, इन प्रक्रियाओं से मुँह मोड़ लेता है, तो यह न केवल उसकी विश्वसनीयता पर सवाल उठाता है, बल्कि लोकतंत्र की नींव को भी कमजोर करता है। संविधान (130वां संशोधन) विधेयक, 2025, जिसे 'जेल से सरकार नहीं' बिल के नाम से जाना जाता है, आज ऐसा ही एक मुद्दा बन गया है, जो सत्ता और विपक्ष के बीच तीखी जंग का केंद्र है। यह बिल गंभीर आपराधिक मामलों (5 वर्ष या अधिक सजा वाले) में 30 दिनों से अधिक हिरासत में रहने वाले प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री, या मंत्रियों को स्वतः पद से हटाने का प्रावधान करता है। संसद के मॉनसून सत्र में पेश होने के बाद इसे संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) को भेजा गया, लेकिन तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी), समाजवादी पार्टी (सपा), और आम आदमी पार्टी (आप) जैसे विपक्षी दलों का जेपीसी से किनारा करना गंभीर सवाल उठाता है।

क्या विपक्ष इस बिल के खिलाफ लड़ाई को सड़क तक सीमित रखना चाहता है? क्या संसदीय प्रक्रिया से भागना लोकतंत्र के प्रति उनकी जिम्मेदारी को कमजोर नहीं करता? और सबसे अहम, क्या यह रवैया विपक्ष की रणनीतिक कमजोरी को उजागर करता है? केंद्र सरकार ने इस बिल को भ्रष्टाचार और अपराध के खिलाफ एक ऐतिहासिक कदम बताया है। गृह मंत्री अमित शाह ने लोकसभा में इसे पेश करते हुए कहा कि यह जनता की उस भावना को प्रतिबिंबित करता है, जो भ्रष्ट नेताओं को सत्ता में नहीं देखना चाहती। एक जनसभा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसे 'नए भारत' का प्रतीक बताया, जहाँ भ्रष्टाचारियों की कोई जगह नहीं होगी। सरकार के आँकड़ों के मुताबिक, 2014 से 2024 तक केंद्रीय जांच एजेंसियों ने 1200 से अधिक नेताओं के खिलाफ भ्रष्टाचार और आपराधिक मामलों में कार्रवाई की, जिनमें से 60त्न विपक्षी दलों से थे। यह बिल ऐसे नेताओं को सत्ता से बाहर रखने का दावा करता है।

लेकिन विपक्ष इसे केंद्र की एक साजिश के रूप में देखता है। टीएमसी सांसद डेरेक ओ'ब्रायन ने इसे 'सुपर-इमरजेंसी' करार देते हुए कहा कि यह बिल विपक्षी नेताओं को जेल भेजकर उनकी सरकारों को अस्थिर करने का हथियार है। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने इसे 'लोकतंत्र पर हमला' बताया, जबकि आप नेता संजय सिंह ने इसे 'संवैधानिक हत्या' कहा। विपक्ष का तर्क है कि केंद्रीय जांच एजेंसियों (सीबीआई, ईडी) का दुरुपयोग पहले से ही विपक्षी नेताओं को निशाना बनाने के लिए हो रहा है। उदाहरण के लिए, 2023-24 में ईडी ने 45 विपक्षी नेताओं के खिलाफ कार्रवाई की, जबकि सत्तारूढ़ दलों के केवल 8 नेताओं पर निशाना साधा गया। ऐसे में यह बिल विपक्ष के लिए एक 'जाल' बन सकता है।जेपीसी में विपक्षी दलों का बहिष्कार उनके रवैये को और गहराई से विश्लेषित करने की मांग करता है। टीएमसी, सपा, और आप का कहना है कि जेपीसी में एनडीए का बहुमत होने के कारण इसकी कार्यवाही निष्पक्ष नहीं होगी। लेकिन यह तर्क कितना तार्किक है? संसदीय समितियों में सत्तारूढ़ दल का बहुमत होना कोई नई बात नहीं। 2003 में बोफोर्स मामले की जेपीसी हो या 2011 में 2जी स्पेक्ट्रम घोटाले की जांच, सत्तारूढ़ दल का दबदबा हमेशा रहा है। फिर भी, विपक्ष ने इन मंचों का उपयोग अपनी बात रखने और जनता को जागरूक करने के लिए किया।

जेपीसी से दूरी बनाकर विपक्ष क्या हासिल कर रहा है? पहला, वह सरकार को अपनी मनमानी करने की खुली छूट दे रहा है। अगर जेपीसी में विपक्षी सांसद शामिल नहीं होंगे, तो एनडीए के सांसद बिल के प्रावधानों को और सख्त कर सकते हैं। दूसरा, विपक्ष जनता के बीच यह संदेश दे रहा है कि वह संसदीय प्रक्रिया में विश्वास नहीं रखता। यह लोकतंत्र के लिए खतरनाक है, क्योंकि संसदीय समितियाँ जनता की आवाज को कानून में ढालने का एक संवैधानिक मंच हैं।कांग्रेस का रुख इस मामले में अपने सहयोगी दलों से अलग है। सूत्रों के मुताबिक, कांग्रेस जेपीसी में शामिल होने की पक्षधर है, क्योंकि वह मानती है कि यह मंच बिल के दुरुपयोग को उजागर करने का सबसे प्रभावी तरीका है। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने हाल ही में एक बयान में कहा कि जेपीसी की कार्यवाही न केवल कानूनी रूप से महत्वपूर्ण होती है, बल्कि यह जनता को सरकार की मंशा से अवगत कराने का भी मौका देती है। लेकिन टीएमसी, सपा, और आप के बहिष्कार ने कांग्रेस को असमंजस में डाल दिया है। इंडिया गठबंधन की एकता इस समय विपक्ष की सबसे बड़ी चुनौती है। अगर कांग्रेस अपने सहयोगी दलों के दबाव में जेपीसी से बाहर होती है, तो यह गठबंधन की एकजुटता को कमजोर करेगा।

विपक्ष का यह रवैया नया नहीं है। इससे पहले भी कई मौकों पर विपक्ष ने औपचारिक प्रक्रियाओं से दूरी बनाई है। 2017 के यूपी विधानसभा चुनाव के बाद ईवीएम में छेड़छाड़ का मुद्दा जोर-शोर से उठा था। मायावती, अखिलेश यादव, और अरविंद केजरीवाल ने बैलेट पेपर की मांग की थी। चुनाव आयोग ने मई 2017 में ईवीएम हैक करने की खुली चुनौती दी, लेकिन कोई भी दल इस चुनौती को स्वीकार नहीं कर सका। एनसीपी और सीपीएम के प्रतिनिधियों ने भी अपनी अक्षमता स्वीकार की।पेगासस जासूसी कांड में भी यही हुआ। विपक्ष ने संसद में हंगामा किया, लेकिन सुप्रीम कोर्ट की जांच समिति में सक्रिय रूप से शामिल नहीं हुआ। बिहार में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) पर राहुल गांधी और तेजस्वी यादव ने 'वोट चोरी' का आरोप लगाया, लेकिन जब चुनाव आयोग ने आपत्ति दर्ज करने को कहा, तो कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। इन सभी मामलों में विपक्ष ने सड़क पर विरोध और बयानबाजी को प्राथमिकता दी, लेकिन औपचारिक प्रक्रियाओं से किनारा किया।

विपक्ष का यह रवैया कई सवाल खड़े करता है। क्या वह वास्तव में इन मुद्दों पर गंभीर है, या केवल राजनीतिक लाभ के लिए बयानबाजी कर रहा है? जेपीसी में शामिल होकर विपक्ष बिल के हर प्रावधान की गहन जांच कर सकता है। उदाहरण के लिए, वह यह मांग कर सकता है कि बिल में जांच एजेंसियों के दुरुपयोग को रोकने के लिए स्पष्ट प्रावधान हों। वह यह भी सुझा सकता है कि हिरासत की अवधि को 30 दिनों से बढ़ाकर 60 दिन किया जाए, ताकि नेताओं को कानूनी प्रक्रिया का पूरा मौका मिले। लेकिन बहिष्कार करने से वह अपनी आवाज को कमजोर कर रहा है।

विश्लेषकों का मानना है कि विपक्ष का यह रवैया उसकी रणनीतिक कमजोरी को दर्शाता है। सड़क पर विरोध और सोशल मीडिया पर बयानबाजी जनता का ध्यान खींच सकती है, लेकिन यह संसदीय प्रक्रिया का विकल्प नहीं हो सकता। जेपीसी में शामिल होकर विपक्ष न केवल सरकार को कठघरे में खड़ा कर सकता है, बल्कि जनता को यह भी दिखा सकता है कि वह लोकतंत्र की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है।विपक्ष का जेपीसी से दूरी बनाना लोकतंत्र के लिए एक खतरनाक संदेश देता है। संसदीय समितियाँ जनता की आवाज को कानून में ढालने का एक संवैधानिक मंच हैं। अगर विपक्ष इस मंच का उपयोग नहीं करता, तो वह जनता के बीच अपनी विश्वसनीयता खो सकता है। जनता यह सवाल पूछेगी कि अगर विपक्ष को अपनी बात पर भरोसा है, तो वह औपचारिक प्रक्रियाओं से क्यों भाग रहा है?

कांग्रेस को अपने सहयोगी दलों को यह समझाना होगा कि जेपीसी में शामिल होना न केवल रणनीतिक रूप से सही है, बल्कि यह विपक्षी एकता को भी मजबूत करेगा। टीएमसी, सपा, और आप को यह समझना होगा कि संसद और सड़क पर विरोध एक साथ चल सकता है। जेपीसी में शामिल होकर वे न केवल बिल के दुरुपयोग को उजागर कर सकते हैं, बल्कि जनता के बीच यह संदेश भी दे सकते हैं कि वे लोकतंत्र की हर लड़ाई संवैधानिक तरीके से लड़ने को तैयार हैं।'जेल से सरकार नहीं' बिल निश्चित रूप से एक जटिल और संवेदनशील मुद्दा है। यह भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई का प्रतीक हो सकता है, लेकिन इसका दुरुपयोग विपक्षी दलों के लिए खतरा भी बन सकता है। ऐसे में विपक्ष को चाहिए कि वह संसदीय प्रक्रिया में हिस्सा ले, अपनी बात को मजबूती से रखे और जनता को यह दिखाए कि वह लोकतंत्र की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। अगर विपक्ष इस मौके को गंवाता है, तो वह न केवल अपनी विश्वसनीयता खोएगा, बल्कि लोकतंत्र की मजबूती के लिए भी एक बड़ा अवसर गंवा देगा।

यह निजी विचार है।

सांसद की पहल का असर गडकरी ने किया बड़ा ऐलान

ग्रीनफील्ड एक्सप्रेसवे से मध्यप्रदेश-छत्तीसगढ़ का जुड़ेगा

पीआई

खैरागढ़ 00 संसद सत्र के दौरान सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी से सांसद संतोष पांडे की मुलाकात का असर अब दिखने लगा है। जबलपुर में करोड़ों की लागत से बने फ्लाईओवर के लोकार्पण अवसर पर केंद्रीय मंत्री गडकरी ने घोषणा की कि लखनादौन-बालाघाट-लांजी-खैरागढ़-रायपुर ग्रीनफील्ड एक्सप्रेसवे का डीपीआर दिसंबर 2025 तक तैयार कर लिया जाएगा। करीब 10 हजार करोड़ रुपये की लागत से 220 किमी लंबे हाई स्पीड कॉरिडोर के निर्माण की दिशा में तेजी आएगी। गडकरी की घोषणा से पूरे क्षेत्र में खुशी की लहर दौड़ गई। क्षेत्रवासियों ने केंद्रीय मंत्री और सांसद संतोष पांडे के प्रति आभार जताते हुए उम्मीद जताई कि दिसंबर 2025 तक डीपीआर के साथ एक्सप्रेसवे का कार्य भी शुरू हो जाएगा।

क्या है मायने -

इस ग्रीनफील्ड एक्सप्रेसवे के बनने से क्षेत्र में आर्थिक विकास का नया मार्ग खुलेगा।पर्यटन के नए अवसर पैदा होंगे।दोनों राज्यों के बीच तेज़ और सुरक्षित मार्ग मिलेगा।स्थानीय स्तर पर रोजगार की संभावनाएं बढ़ेंगी।

विवि के लिए भी लाभप्रद

यह कॉरिडोर 1956 में स्थापित इंदिरा कला संगीत विश्वविद्यालय, खैरागढ़ के लिहाज से भी अहम होगा। भारतीय कला और संगीत को समर्पित एशिया का पहला संगीत विश्वविद्यालय अब तक मुख्य रूप से नागपुर मार्ग पर निर्भर रहा है। नए मार्ग से खैरागढ़ क्षेत्र का सीधा जुड़ाव होगा, जिससे

विश्वविद्यालय और क्षेत्र दोनों को बड़ा लाभ मिलेगा।

होगा दोहरा लाभ

सांसद संतोष पांडे की इस पहल का जिले के साथ पूरे राज्य को दोहरा लाभ मिलेगा। यह सड़क आगे जाकर रायपुर से विशाखापटनम के भारत माला प्रोजेक्ट से जुड़ेगी। इससे खैरागढ़-राजनांदगांव जिले से विशाखापटनम तक का मार्ग सुलभ होगा और नए व्यापारिक अवसर खुलेंगे।

चिल्फी-कवर्धा बॉर्डर से जबलपुर तक 150 किमी 4 लेन सड़क, 2500 करोड़ से बनेगी

संसद सत्र के दौरान सांसद संतोष पांडे की रखी गई मांग पर केंद्र सरकार ने एक और तोहफ़ा दिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व और केंद्रीय सड़क एवं परिवहन मंत्री नितिन गडकरी के प्रयास से चिल्फी-कवर्धा बॉर्डर से जबलपुर तक 150 किमी लंबी 4 लेन सड़क के निर्माण को मंजूरी मिल गई है। इस परियोजना पर करीब 2500 करोड़ रुपये खर्च होंगे।

क्या होगा फायदा

छत्तीसगढ़ और मध्यप्रदेश के बीच तेज़ और सुगम कनेक्टिविटी,यात्रा समय में बड़ी कमी,व्यापार और उद्योग को गति,युवाओं के लिए रोजगार के अवसर,कवर्धा सहित पूरे क्षेत्र में पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा।

केंद्र ने 31 मार्च, 2026 तक के लिए गेहूं की स्टॉक सीमा संशोधित की

सरकार काला बाजारी रोकने के लिए गेहूं के स्टॉक की जांच सख्त करेगी

पीआईबी

समग्र खाद्य सुरक्षा को प्रबंधित करने और जमाखोरी व बेईमानी से की जाने वाली सट्टेबाजी को रोकने के लिए केंद्र सरकार ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में व्यापारियों/थोक विक्रेताओं, खुदरा विक्रेताओं, बड़ी चेन वाले खुदरा विक्रेताओं और प्रसंस्करणकर्ताओं पर गेहूं संबंधी स्टॉक सीमा लागू की। लाइसेंसिंग आवश्यकताओं, स्टॉक सीमाओं और निर्दिष्ट खाद्य पदार्थों पर आवाजाही प्रतिबंधों को हटाना (संशोधन) आदेश, 2025 27 मई, 2025 को जारी किया गया और यह सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों पर लागू था। आगामी त्यौहारी सीजन से पहले गेहूं की कीमतों को नियंत्रित करने के निरंतर प्रयासों के तहत केंद्र सरकार ने 31 मार्च, 2026 तक के लिए लागू गेहूं स्टॉक सीमा में

संशोधन करने का निर्णय लिया है,

बड़ी श्रृंखला वाले खुदरा विक्रेता प्रत्येक खुदरा दुकान के लिए 10 मीट्रिक टन, अधिकतम मात्रा (10 ङ्क कुल दुकानों की संख्या) मीट्रिक टन तक। यह अधिकतम स्टॉक होगा, जो उनकी सभी खुदरा दुकानों और डिपो में एक साथ रखा जा सकता है। प्रत्येक खुदरा दुकान के लिए 8 मीट्रिक टन तक, अधिकतम मात्रा (8 ङ्क कुल दुकानों की संख्या) मीट्रिक टन तक। यह अधिकतम स्टॉक होगा, जो उनकी सभी खुदरा दुकानों और डिपो में एक साथ रखा जा सकता है।

मासिक स्थापित क्षमता (एमआईसी) का 70 प्रतिशत वित्त वर्ष 2025-26 के शेष महीनों से गुणा किया गया।

मासिक स्थापित क्षमता (एमआईसी) का 60 प्रतिशत वित्त वर्ष 2025-26 के शेष महीनों से गुणा किया गया।

गोद ग्राम सोनपूरी में राज्यपाल का जनसंवाद, अंतिम पंक्ति तक योजनाओं के लाभ पर जोर

जम्मू-कश्मीर में पिछले 3 दिनों से लगातार हो रही बारिश से हालात खराब हैं। मंगलवार को जम्मू के भगवती नगर में फोर्थ तवी ब्रिज का एक हिस्सा गिर गया, जिसके कारण कई वाहन गड्ढे में गिर गए।

राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार 2025 के लिए उच्च शिक्षा संस्थानों व पॉलिटेक्निकों से 21 शिक्षक चयनित

पीआईबी

शिक्षा मंत्रालय के उच्च शिक्षा विभाग ने राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार 2025 के लिए उच्च शिक्षा संस्थानों और पॉलिटेक्निक में 21 शिक्षकों का चयन किया है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 का मानना है कि प्रेरित, ऊर्जावान और सक्षम संकाय छात्रों, संस्थान और पेशे की प्रगति के लिए महत्वपूर्ण हैं। इसमें शिक्षा प्रणाली में उत्कृष्टता की संस्कृति को विकसित करने के लिए पुरस्कार और स्वीकृति जैसे प्रोत्साहनों की भी परिकल्पना की गई है। इसलिए, वर्ष 2023 में, राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार के अंतर्गत उच्च शिक्षा संस्थानों और पॉलिटेक्निकों के लिए पुरस्कारों की दो श्रेणियां स्थापित करने का निर्णय लिया गया जो उस समय केवल स्कूली शिक्षकों तक ही सीमित थीं। राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार उच्च शिक्षा संस्थानों और पॉलिटेक्निकों के उत्कृष्ट शिक्षकों/संकाय सदस्यों को निम्नलिखित श्रेणियों के अंतर्गत प्रदान किया जाता है: **श्रेणी : उच्च शिक्षण संस्थानों के शिक्षक:** उप-श्रेणी (i) : इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी, वास्तुकला। उप-श्रेणी (ii) : गणित, भौतिक विज्ञान, जैविक विज्ञान, रासायनिक विज्ञान,

चिकित्सा, फार्मेसी उप-श्रेणी (iii) : कला एवं सामाजिक विज्ञान, मानविकी, भाषाएं, कानूनी अध्ययन, वाणिज्य, प्रबंधन। श्रेणी II: पॉलिटेक्निक संस्थानों के शिक्षक: कुल 10 पुरस्कार ये चयनित 21 शिक्षक पॉलिटेक्निक, राज्य विश्वविद्यालयों और केंद्रीय उच्च शिक्षा संस्थानों से हैं। प्रदर्शन के आधार पर शिक्षकों का चयन किया जाता है। शिक्षण-अधिगम प्रभावशीलता, आउटरीच गतिविधियां, अनुसंधान एवं नवाचार, प्रायोजित अनुसंधान/संकाय विकास कार्यक्रम/परामर्श शिक्षण जैसे मानदंडों के आधार पर यह मूल्यांकन किया जाता है। इनमें से, अधिगम प्रभावशीलता और आउटरीच गतिविधियों को प्रमुख महत्व दिया गया है।

आत्मनिर्भरता एकीकृत लॉजिस्टिक्स के बल पर सभी क्षेत्रों में निर्णायक संयुक्त प्रतिक्रियाएं भविष्य के युद्धों में जीत की कुंजी होंगी : रण संवाद में सीडीएस

लोकशक्ति। राजनांदगांव।

प्रमुख रक्षा अध्यक्ष (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान ने भविष्य के युद्धों में जीत सुनिश्चित करने के लिए सभी क्षेत्रों में त्वरित और निर्णायक संयुक्त प्रतिक्रिया का आह्वान किया है। उन्होंने कहा कि भविष्य के युद्धक्षेत्र, सेवा सीमाओं को नहीं पहचानेंगे। जनरल अनिल चौहान, 26 अगस्त, 2025 को मध्य प्रदेश के डॉ. अंबेडकर नगर स्थित आर्मी वॉर कॉलेज में 'युद्ध पर प्रौद्योगिकी का प्रभाव' विषय पर युद्ध, युद्धकला और युद्ध संचालन पर अपनी तरह के पहले त्रि-सेवा सेमिनार, 'रण संवाद' में मुख्य भाषण दे रहे थे।

रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता और एकीकृत लॉजिस्टिक्स को आगामी युद्धों में विजयी होने की कुंजी बताते हुए सीडीएस ने दोहराया कि 'संयुक्तता' भारत के परिवर्तन का आधार है। उन्होंने संयुक्त प्रशिक्षण को संस्थागत बनाने और परिचालन क्षमता बढ़ाने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, साइबर और क्वांटम जैसी निरंतर विकसित हो रही तकनीकों को अपनाने की आवश्यकता पर

बल दिया। एक मज़बूत नागरिक-सैन्य एकीकरण के लिए उन्होंने सुदर्शन चक्र (भारत का अपना लौह गुंबद) विकसित करने के महत्व और प्रतिबद्धता पर बल दिया जो 'ढाल और तलवार' दोनों का काम करेगा। उन्होंने कहा कि भविष्य के युद्धों में विजय प्राप्त करने के लिए विभिन्न क्षेत्रों में क्षमताओं का विकास आवश्यक है।

जनरल अनिल चौहान ने कौटिल्य का हवाला देते हुए कहा कि भारत प्राचीन काल से ही विचारों और ज्ञान का स्रोत रहा है। हालांकि, भारतीय युद्धों के विद्वत्तापूर्ण विश्लेषण या रणनीति पर अकादमिक चर्चा का बहुत कम साहित्य उपलब्ध है। उन्होंने कहा कि युद्ध, नेतृत्व, प्रेरणा, मनोबल और तकनीक के विभिन्न आयामों पर गंभीर शोध किए जाने की आवश्यकता है। उन्होंने यह भी कहा कि भारत को सशक्त, सुरक्षित, आत्मनिर्भर और विकसित बनना होगा और यह तभी संभव है जब सभी हितधारक भविष्य के लिए तैयार सेनाओं के निर्माण में सामूहिक रूप से भाग लें।

सीडीएस ने बताया कि रण संवाद का उद्देश्य वास्तविक अभ्यासकर्ताओं के लिए एक मंच तैयार करना है, विशेष रूप से युवा और मध्यम स्तर के अधिकारियों के लिए जो तकनीकी प्रगति से अवगत हैं। उन्होंने कहा कि उनके विचारों को सुनने की आवश्यकता है ताकि एक ऐसा वातावरण तैयार किया जा सके जहां नए विचारों के बीच सामंजस्य और सद्भाव, सैन्य-कर्मियों द्वारा प्रदान किए गए अनुभव के साथ सह-अस्तित्व में रह सके।

दो दिवसीय संगोष्ठी में सेवारत सैन्य पेशेवरों को रणनीतिक संवाद के अग्रभाग में लाया जाएगा। रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह दूसरे और अंतिम दिन पूर्ण सत्र को संबोधित करेंगे। इस दौरान कुछ संयुक्त सिद्धांत और प्रौद्योगिकी परिप्रेक्ष्य एवं क्षमता रोडमैप भी जारी किए जाएंगे।

नारी शक्ति से विकसित भारत : भारत के आर्थिक बदलाव में महिलाओं की अग्रणी भूमिका

पीएलएफएस के आंकड़ों के अनुसार 2017-18 से 2023-24 के बीच महिला रोजगार दर लगभग दोगुनी हो गई है

महिला बेरोजगारी दर 2017-18 में 5.6 प्रतिशत से घटकर 2023-24 में 3.2 प्रतिशत हो गई

ग्रामीण भारत में महिला रोजगार में96 प्रतिशत और शहरी क्षेत्रों में 43 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई

पीआईबी।

वर्ष 2047 तक भारत को विकसित बनाने के लिए कार्यबल में 70 प्रतिशत महिला भागीदारी सुनिश्चित करने का एक महत्वाकांक्षी लक्ष्य रखा है। महिला सशक्तिकरण राष्ट्रीय प्रगति का एक प्रमुख कारक है और आज भारत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में एक परिवर्तनकारी बदलाव का साक्षी बन रहा है। अब महिलाएं पारंपरिक भूमिकाओं तक सीमित नहीं हैं, वे बंधनों को तोड़ रही हैं और देश के आर्थिक भविष्य को आकार देने की ज़िम्मेदारी संभाल रही हैं। ग्रामीण उद्यमियों से लेकर कॉर्पोरेट नेतृत्व तक, महिलाएं

विकसित भारत की ओर भारत के अभियान का नेतृत्व कर रही हैं।

महिला कार्यबल की भागीदारी में उल्लेखनीय वृद्धि भारत में महिला कार्यबल की भागीदारी दर में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है। पीएलएफएस के आंकड़ों के अनुसार महिला रोजगार दर 2017-18 में 22 प्रतिशत से बढ़कर 2023-24 में 40.3 प्रतिशत हो गई है। इसी अवधि के दौरान बेरोजगारी दर 5.6 प्रतिशत से घटकर 3.2 प्रतिशत हो गई है जो महिलाओं के लिए रोजगार के अवसरों में सकारात्मक वृद्धि को दर्शाता है। यह बदलाव ग्रामीण भारत में और भी महत्वपूर्ण है जहां महिला रोजगार में 96 प्रतिशत की वृद्धि हुई है जबकि शहरी क्षेत्रों में इसी अवधि के दौरान रोजगार में 43 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई है।

रिपोर्टों से पता चलता है कि स्नातक महिलाओं की रोज़गार क्षमता भी 2013 में 42 प्रतिशत से बढ़कर 2024 में 47.53 प्रतिशत हो गई है । स्नातकोत्तर और उससे ऊपर की महिलाओं में रोज़गार दर 2017-18 में 34.5 प्रतिशत से बढ़कर 2023-24 में 40 प्रतिशत हो गई है। इंडिया स्किल्स रिपोर्ट 2025 के अनुसार 2025 में लगभग 55 प्रतिशत भारतीय स्नातकों के वैश्विक स्तर पर रोजगार योग्य होने की उम्मीद है जो 2024 में 51.2 प्रतिशत से अधिक है।

इसके अतिरिक्त, ईपीएफओ पेरोल डेटा, संगठित क्षेत्र में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी को दर्शाता है। पिछले सात वर्षों में, 1.56 करोड़ महिलाएं औपचारिक कार्यबल में शामिल हुई हैं। इस बीच अगस्त तक ई-श्रम पोर्टल में 16.69 करोड़ से अधिक असंगठित महिला श्रमिकों का पंजीकरण दर्ज किया गया है जिससे उन्हें सरकार की विभिन्न सामाजिक कल्याण योजनाओं तक पहुंच मिली है।

महिला विकास से महिला-नेतृत्व वाले विकास की ओर अग्रसर भारत भारत सरकार के प्रयास महिला उद्यमियों के विकास में योगदान दे रहे हैं। राष्ट्रीय स्तर पर, 15 मंत्रालयों की 70 केंद्रीय योजनाएं और 400 से अधिक राज्य-स्तरीय योजनाएं महिला उद्यमिता को बढ़ावा देने पर केंद्रित हैं। पीएलएफएस के आंकड़े बताते हैं कि महिला स्व-रोज़गार में 30 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। 2017-18 में जहां यह 51.9 प्रतिशत था, 2023-24 में बढ़कर 67.4 प्रतिशत हो गया है।

पिछले दशक में जेंडर बजट में 429 प्रतिशत की वृद्धि हुई है जो वित्त वर्ष 2013-14 (संशोधित अनुमान) में 0.85 लाख करोड़ रुपए से बढ़कर वित्त वर्ष 2025-26 में 4.49 लाख करोड़ रुपए हो गया है। यह महिलाओं के विकास से महिलाओं के नेतृत्व में विकास की ओर एक व्यापक बदलाव को दर्शाता है, जिसमें रोज़गार, रोज़गार योग्यता, उद्यमिता और कल्याण पर विशेष ध्यान दिया गया है। स्टार्टअप इंडिया जैसे कार्यक्रमों ने एक समृद्ध व्यवस्था को बढ़ावा दिया है, जहां लगभग 50 प्रतिशत डीपीआईआईटी पंजीकृत स्टार्टअप्स में यानी 1.54 लाख से ज़्यादा स्टार्टअप्स में से 74,410 में कम से कम एक महिला निदेशक है। आज लगभग दो करोड़ महिलाएं लखपति दीदी बन चुकी हैं। नमो ड्रोन दीदी और दीनदयाल अंत्योदय योजना जैसे प्रमुख कार्यक्रम भी इस बदलाव में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं और उन्हें सतत विकास के लिए आवश्यक संसाधन और अवसर प्रदान कर रहे हैं। महिलाओं के स्व-रोज़गार में वृद्धि का एक अन्य महत्वपूर्ण कारक प्रधानमंत्री मुद्रा योजना है, जो वित्तीय समावेशन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। कुल मुद्रा ऋणों में से 68 प्रतिशत (14.72 लाख करोड़ रुपए मूल्य के 35.38 करोड़ से अधिक ऋण) महिलाओं को मिले हैं। इसी प्रकार, प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के तहत रेहड़ी-पटरी वालों को सशक्त बनाया गया है।

वृद्धा से मारपीट के आरोपी दंपति को 6 माह कारावास की सजा

जांजगीर चांपा /

जांजगीर न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी न्यायालय सुश्री प्रीति पालीवाल ने 60 वर्षीय वृद्ध महिला के साथ मारपीट कर गंभीर चोट पहुंचाने के आरोपीगण पति पत्नी प्रेमचंद श्रीवास पिता भोजराम एवं पूर्णिमा श्रीवास पति प्रेमचंद श्रीवास निवासी पीथमपुर थाना जांजगीर को सुनाई 06-06 माह कारावास एवं अर्थदंड की सजा।

घटना दिनांक 03 मार्च 2025 रात्रि के करीब 08.30 बजे प्रार्थी प्रकाश चंद श्रीवास के ग्राम पीथमपुर स्थित घर के पास की है घटना समय आहिता का पुत्र प्रार्थी प्रकाशचंद दिशा मैदान से होकर घर तरफ आया तो देखा कि घर के पास उसके भाई एवं भाभी आरोपी पुर्णिमा और प्रेमचंद मिलकर उसकी मां गंगोत्री बाई श्रीवास आयु 60 वर्ष को नाली के पानी को बंद करने की बात को लेकर अश्लील गाली गलौच कर रहे थे और आरोपिया पूर्णिमा गंगोत्री बाई के साथ हाथ मुक्का से मारपीट कर रही थी मारपीट के कारण जब गंगोत्री बाई जमीन में गिर गई तब आरोपिया पूर्णिमा गंगोत्री बाई को जान से मारने की धमकी देते हुए आहिता गंगोत्री बाई के पैर को पकड कर पूरी तरह मरोड दी तब प्रार्थी प्रकाश चंद द्वारा बीच बचाव करने पर आरोपी पूर्णिमा का पति आरोपी प्रेमचंद प्रार्थी प्रकाश चंद के साथ हाथ मुक्का से मारपीट करने लगा तब मोहल्ले के रामचंद श्रीवास,फोनटीन तथा अन्य लोग आये तथा बीच बचाव किये। घटना में आहिता गंगोत्री बाई के साथ की गई मारपीट से उसके कमर,पैर में तथा प्रार्थी प्रकाशचंद के उंगली,चेहरा में चोट लगा है, गंगोत्री बाई की चोट गंभीर प्रकृति की होने से उसे प्रार्थी द्वारा चांपा प्राईवेट अस्पताल ले जाया गया जहां से उपचार पश्चात प्रार्थी थाना जांजगीर में घटना की रिपोर्ट दर्ज कराया जहां दोनों आरोपीगण के विरुद्ध नवीन कानून भारतीय न्याय संहिता की धारा 296, 351(2), 115(2), 117(2), 3(5) के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना बाद अभियोग पत्र माननीय न्यायालय में पेश किया गया।

न्यायालय में साक्षियों के परीक्षण प्रतिपरीक्षण बाद माननीय न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी न्यायालय जांजगीर सुश्री प्रीति पालीवाल ने दोनों आरोपीगण प्रेमचंद श्रीवास एवं पूर्णिमा श्रीवास को धारा 296,115(2), 117(2), 3(5) बीएनएस का दोषी पाते हुए धारा 296 एवं 115(2),बीएनएस में अर्थदंड एवं धारा 117(2) बीएनएस के तहत 06-06 माह कारावास एवं अर्थदंड की सजा सुनाई साथ ही अर्थदंड की राशि अदा न करने पर पृथक से कारावास का आदेश दिया । मामले में शासन की ओर से सहायक जिला लोक अभियोजन अधिकारी श्रीमती पूजा एस. अग्रवाल द्वारा अभियोजन संचालन किया गया।

सायबर जन जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

जांजगीर चांपा

सायबर अपराधो को संज्ञान में लेते हुए श्री विजय कुमार पाण्डेय (IPS) पुलिस अधीक्षक जांजगीर चांपा एवं श्रीमती ज्योत्सना सिंह प्रबंधक भारतीय स्टेट बैंक शाखा जांजगीर के निर्देशन में सायबर जन जागरूकता पखवाड़ा कार्यक्रम का आयोजन जांजगीर कचहरी चौक में किया गया। उपरोक्त कार्यक्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जांजगीर श्री उमेश कुमार कश्यप एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक यातायात श्री उदयन बेहार एवं SBI प्रबंधक चांपा, नैला शाखा भी उपस्थित रहे।

श्रीमद् भागवत कथा का तृतीय दिवस....

शरीर नश्वर है, कर्म ऐसा करो जो निष्काम हो ,वही सच्ची भक्ति है .....श्री ललित वल्लभ जी

जांजगीर चांपा संवाददाता

अग्रसेन भवन नैला के सामने चल रहे श्री मद्भागवत कथा के तृतीय दिवस श्री धाम वृंदावन के प्रख्यात भागवत प्रवक्ता श्री ललित वल्लभ जी महाराज ने श्रोताओं को संबोधित करते हुए कहा कि जब जीव जन्म लेता है तब माया साथ आती है और मनुष्य अपने शरीर व माया को प्रधान मान लेता है जबकि शरीर नश्वर है, कर्म ऐसा करो जो निष्काम हो वही सच्ची भक्ति है ,जीव जब गर्भ में रहता है तब उसे गर्भ में प्रभु का दर्शन होता है, जब वह जन्म लेता है तब बोलता है कहां-कहां बो कहा है जिसका मुझे गर्भ में दर्शन हो रहा था, गर्भ में जीव भगवान से कहता है कि मुझे इसमें से निकालो मैं आपका भजन करूंगा लेकिन गर्व के बाहर माया में लिप्त हो जाता है और भूल जाता है कि मैंने वचन दिया था की भजन करूंगा ,प्रभु चरण ,शरण, आने से ही कल्याण निश्चित है कथा प्रसंग को आगे बढ़ाते हुए महाराज जी ने ध्रुव चरित्र वर्णन किया, ध्रुव चरित्र में बताया कि ध्रुव की तरह अटल प्रतिज्ञा होनी चाहिए उन्होंने छोटी सी उम्र में प्रभु का साक्षात्कार कर लिया, इंसान को कभी अभिमान में नहीं रहना चाहिए,अभिमान युक्त यज्ञ कभी सफल नहीं होते ,आगे वर्णन करते हुए जड़ भरत चरित्र, नरको का वर्णन ,अजामिल उपाख्यान एवं भक्त प्रहलाद चरित्र का वर्णन किया भारत महिमा में कहा कि भारत भूमि स्वर्ग से भी श्रेष्ठ है ,क्योंकि न तो स्वर्ग में गंगा बहती है न यमुना, न राम कथा होती है न कृष्ण कथा ,प्रहलाद चरित्र में बताया कि भक्ति नौ प्रकार की होती है जीव नो प्रकार की भक्ति में से एक का भी सहारा ले ले तो उद्धार सुनिश्चित है ,इसी प्रसंग के साथ पूज्य महाराज श्री ने कथा का तृतीय दिवस विश्राम किया।

लायंस क्लब जांजगीर नैला की कार्यकारिणी का सर्वसमिति से किया गया गठन....

लायंस राजेश पालीवाल के अध्यक्षीय कार्यकाल में अनेक सेवा एवं प्रशासनिक गतिविधियां संपन्न हुई

जांजगीर चांपा - अंतरराष्ट्रीय लायंस क्लब की संस्था, लायंस क्लब जांजगीर-नैला के नए सत्र 2025-26 के लिए नई कार्यकारिणी का गठन सर्वसम्मति से किया गया द्य लायन राजेश पालीवाल को लगातार तीसरी बार लायंस क्लब जांजगीर का अध्यक्ष मनोनीत किया गया,इनके अध्यक्षीय कार्यकाल में लायंस क्लब जांजगीर ने अनेक सेवा एवं प्रशासनिक गतिविधिया संपन्न की है । लायंस क्लब जाँजगीर नैला के कार्यकारिणी में चार्टर अध्यक्ष- ला. देवेश सिंह,सचिव- ला. डॉ व्ही. के. पैगवार,कोषाध्यक्ष-ला. धीरज जैन,प्रथम उपाध्यक्ष ला.मनोज अग्रवाल,द्वितीय उपाध्यक्ष ला. जूही गौरहा,टेमर-ला. नमीषा थवाईत,टेल ट्विस्टर ला. प्राची पांडेय,पीआरओ -ला. राहुल अग्रवाल और ला. हेमंत मिश्रा,क्लब LCIF कोऑर्डिनेटर- ला. देवेश सिंह,क्लब सर्विस चेयरमेन -ला. डॉ.परस शर्मा,सदस्यता विस्तार चेयरमेनः- ला. ऋ षिकेश उपाध्याय,क्लब मार्केटिंग चेयरमेन- ला.रिकेश अग्रवाल,क्लब ऐडमिनिस्ट्रेटर- ला. श्रवण सिंह,संचालक मंडल- ला.युवराज सिंह, रमेश सुल्तानिया,ला.विजय सोनी,ला. शंभु पालीवाल,ला. विष्णु धानुका,ला.ब्रजेश गौरहा ,ला.नवीन अग्रवाल,ला. रीता सिंह ला. स्मृति गौरहा,ला. मंजुला सिंह को मनोनीत किया गया ।

राज्य स्तरीय रोजगार मेला 9 और 10 अक्टूबर को, पंजीयन प्रारंभ

जांजगीर-चांपा / कौशल विकास, तकनीकी शिक्षा और रोजगार विभाग द्वारा 9 व 10 अक्टूबर 2025 को राज्य स्तरीय रोजगार मेला आयोजित किया जाएगा। जिला रोजगार अधिकारी ने बताया कि इस रोजगार मेले में जिले के अधिक से अधिक युवाओं को रोजगार से जोड़ने का प्रयास किया जाएगा। विभाग की वेबसाइट द्वह्लश्चद्र-द्दश्वह्ल.ष्द्द.द्दश1.द्बठ्ठ पर राज्य स्तरीय रोजगार मेला 2025 में उपलब्ध रिक्तियों की जानकारी प्रदर्शित की गई है। इच्छुक युवा वेबसाइट के माध्यम से ऑनलाइन पंजीयन कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त युवा जिला रोजगार कार्यालय जांजगीर-चांपा में उपस्थित होकर भी पंजीयन कर सकते हैं। अधिक जानकारी एवं मार्गदर्शन के लिए जिला रोजगार कार्यालय जांजगीर-चांपा से संपर्क किया जा सकता है।

विकासखंड स्तरीय स्काउट गाइड कार्यशाला संपन्न

राजनांदगाव। भारत स्काउट्सएवं गाइड्स छत्तीसगढ़ विकासखंड स्तरीय स्काउटर गाइडर कार्यशाला का आयोजन विकासखंड कार्यालय डोंगरगढ़ में प्रार्थना से प्रारंभ हुई। सर्वप्रथम स्काउट गाइड परंपरा अनुसार विकास खण्ड शिक्षा अधिकारी विरेंद्र कौर मैडम, जिला अध्यक्ष उमेश हथेल विकासखंड संघअध्यक्ष दविंदर सिंह भाटिया जिला उपाध्यक्ष राकेश भावतेविकासखंड स्त्रोत समन्वय विनायक अली का

स्कार्फ द्वारा स्वागत किया गया। शिक्षा अधिकारी ने अपने संबोधन में कहा स्काउट गाइड के द्वारा देशहित एवं समाज सेवा और राष्ट्र प्रेम सर्वोपरि होता है। बच्चों में व्यक्तित्व विकास संस्कार वान प्रकृति से जुड़ाव एवं स्वावलंबी होता है ।जिला अध्यक्ष उमेश हथेल नेअपने उद्बोधन में उत्कृष्ट कृतित्व से देश, धरती ,समाज एवं संस्कृति को समृद्ध बनता है।

स्काउटर गाइडर कार्यशाला में वार्षिक कार्यशाला एवं पाठ्यक्रम की विभिन्न हिस्सों को जिला सचिव देवेंद्र अंबादे, रामलाल चंद्रवंशी सुनीता चंद्राकर श्रीमती धनेश्वरी साहू ठाकुर रामचंद्र वंशी ने बताया नियम प्रतिज्ञा प्रार्थना झंडा गीत आंदोलन के ज्ञान ध्वज की जानकारी गांठें प्राथमिक चिकित्सा दीक्षा संस्कार आदि विषय पर बिंदुवार चर्चा किया ।बैठक की एजेंडा में द्वितीय सोपान प्रशिक्षण एवं जांच शिविर का स्थल प्रस्तावित एवं ओ आई एम एस पंजीयन, वृक्षारोपण राज्य पुरस्कार टेस्टिंग कैंप में सम्मिलित होने , अशासकीय शालाओं में स्काउट गाइड का संचालन एवं बेसिक प्रशिक्षण दल गठन संचालन पर आवश्यक चर्चा किया गया। विभिन्न पाठ्यक्रमों पर विकास खण्ड सचिव लेखराम वर्मा ने विश्व संगठन विभिन्न महिनों में जंयतियों नव रात्रि सेवा चिंतन दिवस युवा महोत्सव की जानकारी दिए ।रामलाल चंद्रवंशी द्वारा आभार व्यक्त किए गये।

जांजगीर के सरस्वती शिशु मंदिर में 20 लाख की लागत से बनेंगे दो नए कमरे.

प्रदेश के वित्त एवं प्रभारी मंत्री ओ पी चौधरी ने दी स्वीकृति......

जांजगीर चांपा

छत्तीसगढ़ शासन के वित्त मंत्री एवं जांजगीर चांपा जिले के प्रभारी मंत्री ओमप्रकाश चौधरी ने सरस्वती शिशु मंदिर उच्च माध्य विद्यालय जांजगीर नैला में अतिरिक्त कक्ष हॉल निर्माण के लिए 20 लाख रुपए की स्वीकृति प्रदान की है, जांजगीर नैला के सरस्वती शिशु मंदिर उच्च माध्य विद्यालय द्वारा जिले के प्रभारी मंत्री जी से इस मांग को किया गया था। जिस पर तत्काल प्रभारी मंत्री जी ने सरस्वती शिशु मंदिर की इस मांग पर 20 लाख रुपए की स्वीकृति प्रदान की है, इस हॉल के निर्माण से छात्र छात्राओं को अत्यधिक लाभ होगा। ज्ञात हो कि विगत दिनों सरस्वती शिशु मंदिर उच्च माध्य विद्यालय जांजगीर चांपा के प्रबंध समिति के सदस्य अरुण झाझडिया, कोषाध्यक्ष मनमंथ नाथ शर्मा, व्यवस्थापक धर्मेंद्र शर्मा, गुलाब दीवान, गोपेश्वर कहरा ने मंत्री ओमप्रकाश चौधरी से मुलाकात कर हॉल निर्माण के लिए राशि उपलब्ध कराने का अनुरोध किया था। वीणा पाणी शिक्षण समिति के सभी सदस्यों के साथ सरस्वती शिशु मंदिर उच्च माध्य विद्यालय जांजगीर नैला परिवार के सभी सदस्यों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए मंत्री ओमप्रकाश चौधरी का आभार व्यक्त किया है।

बैरिस्टर साहब की 134 जयंती पर पुष्पांजलि सभा का आयोजन

27 अगस्त प्रतिमा स्थल पर होगा आयोजन

जांजगीर चांपा / गणेश चतुर्थी 1891 को अवतरित ,स्वतंत्रता संग्राम के क्रांति दूत एवं भारतीय संविधान निर्मात्री सभा के पूर्ण कालिक सदस्य बैरिस्टर ठाकुर छेदीलाल की 134 जन्म जयंती के अवसर पर शहीद स्मारक(भारत माता चौक) जिला मुख्यालय जांजगीर ,स्थित बैरिस्टर साहब की प्रतिमा स्थल पर दिनांक 27 अगस्त बुधवार को संध्या 4 बजे से पुष्पांजलि सभा का आयोजन रखा गया है इस अवसर हमेशा की तरह अंचल के प्रशासनिक प्रतिनिधि , राष्ट्रप्रेमी वरिष्ठ नागरिक ,जन प्रतिनिधि , विधिवेत्ता ,साहित्य शिल्पि ,कृषक प्रतिनिधि , धर्मानुरागी , शैक्षणिक जगत एवं लोक कला संस्कृति के संवाहक उपस्थित होकर बैरिस्टर साहब की प्रतिमा पर श्रद्धासुमन अर्पित करेंगे ।बैरिस्टर ठाकुर छेदीलाल मेमोरियल अकादमी के अध्यक्ष देवेश कुमार सिंह ने समस्त जनमानस को पधारने का अनुरोध किया है।

सर्व विदित है कि गणेश चतुर्थी 1891 को जन्म लिए एवं अन्त चतुर्दशी 18 सितंबर को इस धाराधाम से विदा हुए बैरिस्टर ठाकुर छेदीलाल ने अपने जीवन काल में समाज सापेक्ष उपरोक्त समस्त क्षेत्रों में प्रतिनिधित्व करते हुए छत्तीसगढ़ की अस्मिता को अपने व्यक्तित्व एवं कृतित्व से संपूर्ण भारतवर्ष के मानस पटल पर उल्लेखित किया था ।

पंकज अग्रवाल जिला भाजपा के उपाध्यक्ष बने

जांजगीर चांपा - सहज-सरल, मृदुभाषी व्यक्तित्व,कुशल नेतृत्वकर्ता पंकज अग्रवाल को भारतीय जनता पार्टी जांजगीर-चांपा जिले के जिला उपाध्यक्ष नियुक्त होने बहुत-बहुत बधाई एवं शुभकामनाएं। एक जिला उपाध्यक्ष के रूप में पंकज अग्रवाल की भूमिका कुछ इस तरह से महत्वपूर्ण होगी द्य जिला उपाध्यक्ष के रूप में पंकज अग्रवाल जिला स्तर पर पार्टी की गतिविधियों का नेतृत्व और मार्गदर्शन करेंगेद्य श्री अग्रवाल जिला स्तर पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन करेंगे। जैसें कि तिरंगा यात्रा, विभाजन विभिषका दिवस और अन्यान्य महत्वपूर्ण अवसरों पर कार्यक्रमों का आयोजन । भाजपा पार्टी की नीतियों का प्रसार, पार्टी की नीतियों , सिद्धांतों और कार्यक्रमों को जन-जन तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। वो जिला स्तर पर पार्टी के संगठन को मजबूत करने और कार्यकर्ताओं को एकजुट करने के लिए कार्यकर्ताओं से सबंध कायम कर उनसे काम ले सकते हैं।

कृषि विज्ञान केन्द्र सुरगी द्वारा किसानों को दी गई समसामयिक सलाह

राजनांदगांव । संवाददाता

कृषि विज्ञान केन्द्र सुरगी द्वारा खड़ी फसल की सुरक्षा करने के लिए किसानों को विशेष सलाह दी गई है। विशेष सलाह में कहा गया है कि मौसम पुर्वानुमान के अनुसार आने वाले दिनों में मध्यम वर्षा होने की संभावना है। जिसे देखते हुए कवकनाशी एवं उर्वरकों का छिड़काव मौसम साफरहने पर ही करने की सलाह दी गई है। धान के खेत में हरी काई का प्रकोप दिख रहा हो तो पानी को निकाल दें। खेत में जिस जगह से पानी अन्दर जाता है, वहां आवश्यकतानुसार कॉपर सल्फेट को पोटली में बांधकर रखें। धान कन्से निकलने की अवस्था में हो वहां नत्रजन उर्वरक की दूसरी मात्रा का छिड़काव यूरिया (30 किलोग्राम प्रति हेक्टर) के रूप में करें। जीवाणु जनित झुलसा रोग की रोकथाम के लिए संतुलित उर्वरकों का उपयोग करना चाहिए।

रोग होने की दशा में पोटाश का उपयोग 8-10 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर की दर से छिड़काव करें। तना छेदक रोग के लक्षण दिखाई दे तो, कर्टाप हाइड्रोक्लोराइड 50 डब्लूपी एक किलोग्राम प्रति हेक्टेयर (काल्डेन, कैरीड, मोर्टार एवं अन्य समान उत्पाद) या क्लोरेन्ट्रानिलीप्रोल 150 मिली प्रति हेक्टयेर (फ्टेरा, कोरेजन, फ्टेगोल्ड, लेपिडोज एवं अन्य समान उत्पाद) की दर से 500 लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें। नत्रजन का छिड़काव कुल अनुशंसित मात्रा की एक चौथाई मात्रा (30 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर), रोपाई के 25-30 दिनों के बाद यूरिया के रूप में छिड़काव करें। तत्पश्चात खेतों में पानी लगभग 24 घंटे तक रोककर रखें। पोटाश की शेष 25 प्रतिशत मात्रा रोपाई के 25-30 दिनों के बाद छिड़काव करें। धान में शीथ ब्लाइट रोग के लक्षण दिखाई दे, तो हेक्साकोनाजोल नामक कवकनाशी 1 ग्राम प्रति लीटर के हिसाब से छिड़काव करें।

जिन स्थानों पर सोयाबीन की फसल में गर्डल बीटल (चक्र भृग) का प्रकोप शुरू हो गया हो, वहां पर थाइक्लोपीड 21.7 एससी 750 मिली प्रति हेक्टेयर की दर से छिड़काव करें। सोयाबीन की फसल में पत्ती खाने वाली इल्लियों तथा सफेद मक्खी के नियंत्रण हेतु पूर्व मिश्रित कीटनाशक बीटासायफ्लुथ्रीन इमिडाक्लोपीड 350 मिली प्रति हेक्टेयर अथवा थायमिथाक्सम-लेम्बडा सायहेलोथ्रीन 125 मिली प्रति हेक्टेयर की दर से छिड़काव करें। इस उपाय से तना मक्खी का भी नियंत्रण होगा। अरहर की फसल में तना अंगमारी (स्टेम ब्लाइट) रोग प्रकोप की प्रारंभिक अवस्था में ताम्रयुक्त कवकनाशी (2.5 ग्राम प्रति लीटर पानी) या मेटालेक्सिल एमजेड (1.5 ग्राम प्रति लीटर पानी) का छिड़काव 10-12 दिन के अंतर में, दो-तीन बार उपयोग करने से रोग की रोकथाम की जा सकती है। मूंग व उड़द की फसल में भभूतिया रोग (पाउडरी मिल्ड्यू) के लक्षण दिखाई देने पर घुलनशील गंधक (सल्फेट एवं अन्य सामान उत्पाद) 3 ग्राम प्रति लीटर पानी की दर से घोल बनाकर छिड़काव करें। पौधों को सफेद मक्खी के आक्रमण से बचाने के लिए इमिडाक्लोप्रीड (कोंफीडोर एवं अन्य सामान उत्पाद) 0.5 मिली प्रति लीटर कीटनाशक का छिड़काव करें। मौसम पुर्वानुमान के अनुसार आने वाले दिनों में मध्यम वर्षा होने की संभावना है। किसान को मूंग व उड़द फसल में अतिरिक्त जल निकासी की व्यवस्था करने की सलाह दी गई है।

खास खबर

जयदेवा समिति ने श्रीगणेश की स्थापना और भव्य आयोजन को लेकर थाना प्रभारी ने ली बैठक

कोरबा जयदेवा समिति द्वारा इस वर्ष भी प्रतिवर्ष की भांति 27 अगस्त से 8 सितम्बर 2025 तक भगवान श्रीगणेश की प्रतिमा की स्थापना और भव्य आयोजन किया जाएगा। इस आयोजन में प्रतिदिन हजारों श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है।

थाना प्रभारी ने समिति सदस्यों को सुरक्षा एवं व्यवस्था से जुड़े कई बिंदुओं पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। सीसीटीवी कैमरेः पंडाल के भीतर और बाहर उच्च गुणवत्ता के कैमरे लगाए जाएं और उन्हें हर समय चालू रखा जाए। विद्युत व्यवस्थाः बिजली की वायरिंग व कनेक्शन सुरक्षित रहें ताकि किसी भी प्रकार की दुर्घटना न हो।

पार्किंग व्यवस्थाः रोड जाम की स्थिति से बचने के लिए निजी गार्ड नियुक्त किए जाएं।

रात्रि सुरक्षाः रात में अतिरिक्त सतर्कता रखी जाए।

जेबकतरी से बचाव रू भीड़ में जेबकतरे सक्रिय हो सकते हैं, इसके लिए जागरूकता फैलेक्स लगाए जाएं।

साइबर अपराध एवं यातायात नियम पालन रूआमजन को जागरूक करने हेतु पंडाल में सूचना-पट्टी एवं बैनर लगाए जाएं।

आपातकालीन सूचनाः किसी भी अप्रिय घटना की स्थिति में तत्काल थाना कटघोरा के नंबर 9479193314 या डॉयल 112 पर सूचना दें। अग्नि सुरक्षा रू प्रत्येक पंडाल में अग्निशमन यंत्र अनिवार्य रूप से रखा जाए। बैठक में पुलिस अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि आयोजन को लेकर प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद है, लेकिन आमजन व समितियों का सहयोग आवश्यक है। समिति पदाधिकारियों ने भी आश्वासन दिया कि वे दिए गए दिशा-निर्देशों का पूरी तरह पालन करेंगे और आयोजन को शांति, सौहार्द्र व उत्साह के साथ संपन्न कराएंगे।

कटघोरा थाना प्रभारी धर्मनारायण तिवारी ने गणेशोत्सव समितियों की बैठक

कोरबा। आगामी गणेशोत्सव को शांतिपूर्ण और सुरक्षित तरीके से संपन्न कराने हेतु पुलिस प्रशासन सतर्क हो गया है। इसी कड़ी में कोरबा पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ तिवारी के निर्देश पर जिलेभर में गणेशोत्सव समितियों की बैठक आयोजित की जा रही है। उसी तारतम्य में कटघोरा के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नीतीश ठाकुर और एसडीओपी पंकज ठाकुर के मार्गदर्शन में, कटघोरा थाना प्रभारी धर्मनारायण तिवारी ने नगर एवं छुरी क्षेत्र की गणेशोत्सव समितियों की महत्वपूर्ण बैठक ली। बैठक में विशेष रूप से कटघोरा की जयदेवा गणेशोत्सव समिति, जो नगर का सबसे बड़ा आयोजन करती है, शामिल रही। इसके अलावा नगर की अन्य समितियों और छुरी में सक्रिय समिति के पदाधिकारी एवं सदस्य भी उपस्थित रहे।

थाना प्रभारी धर्मनारायण तिवारी ने बैठक में सभी समिति सदस्यों से आयोजन की संपूर्ण जानकारी ली और पुलिस प्रशासन को सहयोग करने की अपील की। उन्होंने कहा कि गणेशोत्सव नगर की आस्था और सांस्कृतिक एकजुटता का प्रतीक है, इसलिए इसे शांति और सौहार्द्र के साथ मनाना हम सभी की जिम्मेदारी है।

रजत जयंती वर्ष पर आंगनबाड़ी केंद्रों में पोषण मेला का हुआ आयोजन

कोरबा

छत्तीसगढ़ राज्य के गठन के ÷रजत जयंती वर्ष÷ को कोरबा जिले में विशेष उत्साह के साथ मनाया जा रहा है। कलेक्टर अजीत वसंत के निर्देशन में महिला एवं बाल विकास विभाग, कोरबा द्वारा जिले के समस्त आंगनबाड़ी केंद्रों में ÷पोषण मेला÷ का आयोजन किया गया।

इस मेले का मुख्य उद्देश्य लोगों को पोषण और स्वास्थ्य के महत्व के प्रति जागरूक करना तथा उन्हें संतुलित आहार और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना रहा। पोषण मेले में विविध गतिविधियों का आयोजन किया गया, जिनमें पोषण प्रदर्शन एवं स्थानीय खाद्य प्रदर्शनी, स्वास्थ्य जांच हेतु महतारी हेल्थ कैंप, पोषण परामर्श एवं जागरूकता सत्र, पोषण संबंधित साहित्य का वितरण शामिल रहा। इन गतिविधियों ने न केवल लोगों को सही खानपान अपनाने की प्रेरणा दी, बल्कि समाज में एक स्वस्थ वातावरण निर्माण की दिशा में महत्वपूर्ण पहल साबित हुई।

बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान अंतर्गत मिशन शक्ति टीम की जागरूकता पहल

इसी कड़ी में महिला एवं बाल विकास विभाग की मिशन शक्ति टीम द्वारा ÷बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ÷ अभियान के अंतर्गत भी जनजागरूकता कार्यक्रम चलाए गए। टीम द्वारा विवाद स्थलों पर पहुंचकर महिलाओं एवं बालिकाओं को साइबर सुरक्षा, महिला सुरक्षा, गुड टच-बैड टच, स्वास्थ्य संबंधी जानकारी प्रदान की गई। साथ ही विभिन्न गतिविधियाँ जैसे वाद-विवाद, चित्रकला एवं खेलकूद प्रतियोगिताओं का आयोजन कर प्रतिभागियों को पुरस्कृत भी किया गया।

आंगनबाड़ी केंद्रों में टॉय मेकिंग वर्कशॉप से बच्चों की शिक्षा में नवाचार जिले के आंगनबाड़ी केंद्रों को स्पेशल लर्निंग एवं आनंदपूर्ण स्थल बनाने के उद्देश्य से श्वष्टष्टश्व गतिविधियों के तहत टॉय मेकिंग वर्कशॉप भी आयोजित की गई। इसमें कार्यकर्ताओं, सहायिकाओं, पालकों तथा स्थानीय शिल्पकारों ने मिलकर अनुपयोगी वस्तुओं का उपयोग कर खिलौने एवं शिक्षण सामग्री तैयार की। सबसे अच्छे खिलौने एवं शिक्षण सामग्री बनाने वालों को प्रोत्साहन स्वरूप पुरस्कार प्रदान किए गए। इन सभी कार्यक्रमों का उद्देश्य बच्चों, महिलाओं एवं समाज को स्वास्थ्य, शिक्षा और पोषण के प्रति जागरूक करना है, ताकि जिले के प्रत्येक नागरिक तक राज्य शासन की योजनाओं का लाभ पहुँच सके।

पुलिस अधिकारियों व कर्मियों ने फिटनेस को अपनाने की साइकलिंग

कोरबा)। फि ट इंडिया मूवमेंट के अंतर्गत कोरबा जिले में पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ-साथ नागरिकों ने साइकिलिंग को लेकर गंभीरता दिखाई। स्वास्थ्य क्षेत्र को बेहतर करने के लिए इस तरह की कोशिश को निरंतर गतिशील करने पर ध्यान देने पर जोर दिया गया। प्रशासन के निर्देश पर इस तरह के कार्यक्रम कोरबा जिले में संचालित किए जा रहे हैं। एक निश्चित पॉइंट से साइकिल रेस शुरू की गई और फिर इसका समापन किया गया। प्रतिस्पर्धा के बजाय इसे नियमित दिनचर्या में शामिल करने सभी को मानसिक रूप से तैयार किया जा रहा है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नितेश ठाकुर, डीएसपी ट्रैफिक डीके सिंह , नगर पुलिस अधीक्षक भूषण एक्का, ट्रैफिक निरीक्षक तेज सिंह यादव, निरीक्षक अभिनव कांत सिंह, प्रमोद डनसेना, असिस्टेंट सब इंस्पेक्टर मनोज राठौर के अलावा अन्य पुलिस कर्मचारी और यूथ रिंग की भागीदारी साइकिलिंग में शामिल हुई। इन सभी ने साइकिलिंग के माध्यम से इस बात को स्थापित करने का प्रयास किया कि कामकाज के साथ-साथ फिटनेस जरूरी है और जब ऐसा होगा तो हम अपने स्वास्थ्य को बेहतर रख सकेंगे।

अभियान के तहत् फरार आरोपियों पर सरकण्डा पुलिस का प्रहार

संवाददाता। बिलासपुर,

बीट प्रभारी तथा बीट आरक्षकों द्वारा सूचना एकत्र कर चलाया गया अभियान। थाना क्षेत्र में संध्या पेट्रोलिंग के दौरान पकड़े गये फरार आरोपी। आरोपियों के विरूद्ध माननीय न्यायालय द्वारा जारी 3 स्थायी एवं 6 गिरफ्तारी वारंट किया गया तामिल। आगे भी अभियान चलाकर फरार आरोपियों को किया जायेगा गिरफ्तार।

नाम फरार वारंटीः-

01. दीपक वैष्णव पिता संतोष वैष्णव उम्र 38 वर्ष निवासी प्रभात चौक चिंगराजपारा सरकण्डा, जिला बिलासपुर (छ.ग.)

02. सुशीलयादव उर्फ बोचकू पिता भुनेष्वर यादव उम्र 22 वर्ष निवासी बंधवापारा सरकण्डा, थाना सरकण्डा, जिला बिलासपुर (छ.ग.)

03. देवानंद जायसवाल उर्फ छोटू पिता लक्ष्मण जायसवाल उम्र 23 वर्ष निवासी बगदई मंदिर के पास अषोक नगर सरकण्डा, जिला बिलासपुर (छ.ग.)।

04. शंकर गौरहा उर्फ शंकर रजक पिता सुरेष गौरहा उम्र 24 वर्ष निवासी खमतराई थाना सरकण्डा, जिला बिलासपुर (छ.ग.)।

05. शिव ध्रुव पिता धनउ ध्रुव उम्र 20 वर्ष निवासी अषोक नगर सरकण्डा, जिला बिलासपुर (छ.ग.)।

06. शनि कुमार कष्यप पिता सीताराम कष्यप उम्र 22 वर्ष निवासी खमतराई अषोक नगर सरकण्डा, जिला बिलासपुर (छ.ग.)।

07. उत्कल पटेल पिता परमेष्वर पटेल उम्र 26 वर्ष निवासी अषोक नगर खमतराई थाना सरकण्डा जिला बिलासपुर (छ.ग.)।

08. नवीन श्रीवास पिता सीताराम श्रीवास उम्र 19 वर्ष निवासी कुंदरूबाड़ी चिंगराजपारा थाना सरकण्डा, जिला बिलासपुर (छ.ग.)।

09. ललित कुमार पिता स्व. मोतीलाल उम्र 52 वर्ष निवासी लोयला स्कूल रोड राज किषोर नगर सरकण्डा, जिला बिलासपुर (छ.ग.)।

वंदे भारत कोच की धुलाई के दौरान ठेका कर्मी हाईटेंशन तार की चपेट में आया, हालत गंभीर

बिलासपुर,। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर रेलवे कोचिंग डिपो में शनिवार को एक गंभीर हादसा हो गया, जिसका लाइव वीडियो भी सामने आया है। हादसे में वंदे भारत एक्सप्रेस के एक्स्ट्रा कोच की सफाई कर रहा एक ठेका कर्मचारी 133 केवी के हाईटेंशन तार की चपेट में आ गया। बिजली का जोरदार झटका लगने से युवक बुरी तरह झुलस गया, और उसकी हालत नाजुक बताई जा रही है। घायल युवक की पहचान प्रताप बर्मन के रूप में हुई है, जो जांजगीर-चांपा जिले का रहने वाला है और एक ठेका कंपनी के माध्यम से रेलवे डिपो में काम करता था। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, प्रताप जब कोच की सफाई कर रहा था, उसी दौरान अचानक बिजली लाइन चालू हो गई, जिससे उसका संपर्क ऊपर से गुजर रही हाई वोल्टेज तार से हो गया। हादसे के तुरंत बाद प्रताप को रेलवे अस्पताल लाया गया, लेकिन उसकी हालत गंभीर होने के कारण पहले सिम्स और फिर परिजनों द्वारा बेहतर इलाज के लिए अपोलो अस्पताल में भर्ती कराया गया। हादसे का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है, जिसमें प्रताप दर्द में तड़पते हुए नजर आ रहा है। प्रताप के साथी कर्मचारियों ने घटना के लिए रेलवे अधिकारियों की लापरवाही को जिम्मेदार ठहराया है। उनका कहना है कि सुरक्षा उपायों का पालन नहीं किया गया, और काम करते समय बिजली लाइन बंद नहीं की गई थी। रेलवे प्रशासन का कहना है कि फिलहाल घायल कर्मी के इलाज पर ध्यान दिया जा रहा है। हादसे की जांच शुरू कर दी गई है, और जांच पूरी होने के बाद जिम्मेदारों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

बच्चों के देखरेख एवं संरक्षण को सुनिश्चित किए जाने हेतु पॉलिटेक्निक महाविद्यालय रूमगरा में कार्यक्रम आयोजित

संवाददाता

कोरबा संवाददाता। बच्चों के देखरेख एवं संरक्षण को सुनिश्चित किए जाने हेतु तथा बाल विवाह मुक्त छत्तीसगढ़ अभियान, बालिका सुरक्षा माह अभियान के तहत राज्य से प्राप्त निर्देशों के अनुक्रम में कलेक्टर सह अध्यक्ष जिला बालक कल्याण समिति जिला कोरबा अजीत वसंत के निर्देशानुसार एवं जिला कार्यक्रम अधिकारी, महिला एवं बाल विकास विभाग जिला कोरबा (छ.ग.) श्रीमती रेणु प्रकाश एवं जिला महिला एवं बाल विकास अधिकारी गजेन्द्र देव सिंह सर के मार्गदर्शन में दिनांक 23.08.25 को जिला कोरबा अंतर्गत आने वाले पॉलिटेक्निक महाविद्यालय रूमगरा में कार्यक्रम आयोजित किया गया।

जहां छात्र छात्राओं सहित सभी संबंधितों कोः- **'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओं,'**

'बाल विवाह मुक्त छत्तीसगढ़ अभियान'

'किशोर न्याय अधिनियम'

'बालश्रम अधिनियम'

'एक युद्ध नशे की विरुद्ध'

'चाइल्ड हेल्प लाइन 1098'

'सायबर अपराध'

'यातायत सुरक्षा'

'विभागीय सेवाओं व योजनाओं' इत्यादि के संबंध में जानकारी दी गई। साथ ही नवा बिहान, घरेलू हिंसा पर जानकारी दी गई। जिला बाल संरक्षण इकाई, महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारी कर्मचारियों, चाइल्ड हेल्प लाइन 1098, मिशन शक्ति तथा यातायात, पुलिस विभाग के पदाधिकारियों, एसोसिएशन फॉर वॉलंटरी एक्शन के जिला समन्वयक विजय प्रताप,नीति आयोग सहयोगी तथा क्षेत्र में कार्यरत स्वयं सेवी संस्थानों के द्वारा आवश्यक जानकारी प्रदान किया गया।

धान व मकई के फसलों को रौंद हाथियों का दल पहुंचा दर्रीपारा

लोकशक्ति

कोरबा,। कटघोरा वनमंडल में हाथियों के उत्पात को रोकने में वन अमला विफल रहा है। डिविजन के पसान रेंज के जल्के सर्किल में सक्रिय 10 हाथियों का दल अब केंदई रेंज अंतर्गत सिरमिना सर्किल के दर्रीपारा गांव पहुंच गया है।

हाथियों के दल को आज सुबह यहां के जंगल में विचरण करते हुए देखा गया। दर्रीपारा पहुंचने से पहले पसान रेंज के माझापारा में जमकर उत्पात मचाया और यहां ग्रामीणों के खेतों में लगे धान व मकई के फसल को रौंदकर मटियामेट कर दिया। हाथियों का दल यहां तडके 3 बजे तक उत्पात मचाता रहा और सुबह होने से पहले

खेतों से निकलकर जंगल पहुंचा। जंगल ही जंगल होते हुए केंदई रेंज की सीमा में प्रवेश करने के साथ दर्रीपारा में डेरा डाल दिया। हाथियों के साल्हीपहाड़ की ओर आगे बढने तथा वहां पहले से मौजूद 44 हाथियों के दल में शामिल होने की संभावना है। तीन दिनों पूर्व साल्हीपहाड़ में एक साथ विचरण कर रहे थे जिसमें से 10 हाथियों का झुंड अलग होकर पसान रेंज पहुंच गया था और वहां लगातार फसलों को नुकसान पहुंचा रहा था जिससे ग्रामीण परेशान थे। बड़ी संख्या में हाथियों के सिरमिना सर्किल में विचरण करने से ग्रामीणों को खतरा बना हुआ है। हालांकि वन विभाग की टीम इन पर लगातार निगरानी रखी हुई है।

एग्रीमेंट कर घुमाता रहा, रिटायरमेंट के बाद ताला लगाकर गायब हुए

उधार में 38 लाख लेकर एसईसीएल कर्मी पत्नी सहित फरार, भटक रही चन्द्र स्वजन समिति

एजेंसी। रिश्तेदार की बीमारी का इलाज के नाम पर समिति से लगभग 40 लाख रुपए उधार लेने के बाद एसईसीएल कर्मी और उसकी पत्नी की नीयत बिगड़ गई है। रुपए लौटाना तो दूर इसके एवज में दिए गए चेक को भी छलपूर्वक साजिश के तहत बैंक से निरस्त करा लिया। अब उधार देने वाली समिति रकम वापस पाने के लिए भटक रही है। न्यायालय के निर्देश पर दंपति के विरुद्ध अपराध दर्ज कर लिया गया है।

परिवादिनी लेखिका चन्द्रा, चंद्र स्वजन कल्याण समिति कोरबा की उपाध्यक्ष है तथा समिति के अध्यक्ष व अन्य सदस्यों द्वारा पारित प्रस्ताव के तहत् उनके द्वारा अधिकृत होकर बिना ब्याज के ऋण दिया जाता है। उक्त कार्य समाज के सदस्यों तक ही सीमित है, परंतु अतिआवश्यक होने पर समिति की सहमति से अन्य समाज के व्यक्तियों को भी संस्थान बिना किसी ब्याज के ऋण प्रदान करती है।

ब्रेन ट्यूमर और कैंसर का इलाज के लिये लिया रकम

एसईसीएल कर्मी हरिशंकर रैकवार पिता गणेश राम रैकवार 60 वर्ष ने सेवा कार्य में होते हुए परिवादिनी तथा उक्त चन्द्र स्वजन कल्याण समिति के अधिकारियों से संपर्क कर

अपने साले अर्थात उषा किरण के भाई के ब्रेन ट्यूमर के ईलाज के लिए रकम की मांग की। चूंकि हरिशंकर रैकवार एस.ई.सी.एल. में नौकरी करने वाले सक्षम व्यक्ति हैं, इसलिए समिति के अधिकारियों के द्वारा सर्वसम्मति से आर्थिक सहायता प्रदान करने सहमति दी गई। हरिशंकर रैकवार के द्वारा उक्त ऋण की रकम अपनी पत्नि श्रीमती उषा किरण के स्टेट बैंक ऑफइंडिया, शाखा कुसमुण्डा के खाता में 12 मई 2019 से 09 दिसम्बर 2019 तक समय-समय पर 19 लाख 60 हजार रूपए तथा दिनांक 07.11.2019 को 850000 रूपए नगद रूप में प्रदान करते हुए कुल 28 लाख 10 हजार रूपए मानवीय धर्म निभाते हुए सहायतार्थ बिना किसी प्रकार के ब्याज के प्रदान किया गया था।

इसी तरह इसके रिश्तेदार के कैंसर रोग के ईलाज हेतु 22 नवम्बर 2020 को 10 लाख रूपए एक वर्ष की समयावधि के भीतर वापस लौटा देने की शर्त पर ली गई, परंतु समयावधि के भीतर रकम वापस नहीं लौटान के कारण श्रीमती उषा किरण के द्वारा 16 दिसम्बर 2021 को परिवादिनी के पक्ष में सहमति से इकरारनामा का निष्पादन पी.के. बजाज, नोटरी से कराया गया।

समय मांगा पर नीयत बिगड़ गई

उक्त उधार लिए गए धनराशि को लौटाने 31 मार्च 2022 तक अतिरिक्त समय मांगा गया। उक्त अवधि तक रकम नहीं लौटाये जाने पर ऊषा किरण ने लेखिका चन्द्रा के नाम पर जारी 10 लाख के चेक को बैंक में प्रस्तुत कर धनराशि का भुगतान प्राप्त करने हेतु सहमति व्यक्त की गई थी। उक्त रकम प्राप्त करने के बाद हरिशंकर रैकवार एवं उषा किरण के द्वारा ऋण की किश्तों का भुगतान नहीं किया जा रहा था, जिसके कारण समिति के पदाधिकारियों तथा उनके मध्य 29 अक्टूबर 2022 को रकम लेन-देन का आपसी ईकरारनामा गवाहों के समक्ष नोटरी पी.के. बजाज के कार्यालय में निष्पादित किया गया। जिसमें हरिशंकर रैकवार तथा उषा किरण के द्वारा 26 जनवरी 2023 तक दो किश्तों में संपूर्ण रकम लौटा देने का वचन दिया गया था किन्तु दोनों व्यक्तियों के द्वारा किसी भी प्रकार के रकम का भुगतान नहीं किया गया, तथा रूपए की मांग किए जाने पर लगातार घुमाया जाता रहा।

रिटायरमेंट के बाद ताला लगाकर फरार हुए

हरिशंकर रैकवार के द्वारा समिति को सूचना दी गई कि वह 30 जून 2025 को एस.ई.सी.एल. की अपनी नौकरी से रिटायर हो रहा है, जिसके बाद मिलने वाले पैसे से वह समिति की धनराशि को एकमुश्त ही चुका देगा। रिटायरमेंट पर मिलने वाली विभागीय एकमुश्त धनराशि उसके खाते में जमा होने से बैंक में चेक प्रस्तुत करने पर उसका भुगतान प्राप्त हो जाएगा, ऐसा आश्वासन अध्यक्ष कमलेश कुमार चंद्रा को दिया गया। यह आश्वासन देने के कुछ दिनों के बाद से ही उषा किरण तथा हरिशंकर रैकवार के निवास मकान पर ताला लगा हुआ है तथा उनका फोन भी नहीं लग रहा है, जिसके पश्चात समिति को यह आशंका हुई कि, वे लोग समिति को झांसा लेकर रकम वापस करने की फिराक में नहीं हैं तथा उनकी मंशा संपूर्ण रकम हड़प कर जाने की है।

जारी किए सभी चेक को छलपूर्वक बैंक से निरस्त कराया

उक्त स्थिति के कारण मजबूर होकर दोनों व्यक्तियों के विरूद्ध थाना कुसमुण्डा में शिकायत प्रस्तुत की गई। ऊषा किरण के खाता का चेक 04 जुलाई 2025, रकम 10 लाख को भुगतान प्राप्त करने हेतु प्रस्तुत किया गया,जो अनादरित (बाउंस) कर लौटा दिया गया। बैंक द्वारा लिखित में यह जानकारी दी गई कि 20 अगस्त 2022 को उषा किरण के निर्देश पर उसके खाते की चेक बुक से जारी समस्त चेक को निरस्त कर दिया गया है, एकाउंटसे चेक जारी होने की जानकारी होने के बावजूद छलपूर्वक नॉन चेक बुक अकाउंट में परिवर्तित करा लिया गया। जबकि उक्त सभी चेक का उल्लेख रकम लेन-देन संबंधी इकरारनामा में है, जो जारी करने के दौरान उक्त चेक कार्यशीलध्चालू थे।

अपनी तरफसे 1.90 लाख देने का वादा

परिवादी को अभियुक्तगण से कुल 38 लाख 10 हजार रूपए ही लेना है, परंतु अभियुक्तगण के द्वारा परिवादी के मांग किए बिना ही समिति से लिए ऋण स्वरूप रकम के वापस भुगतान में हुए देरी के एवज में क्षतिपूर्ति हेतु 1 लाख 90 हजार रूपए को चेक की राशि में जोड़कर प्रस्तुत करने हेतु कहा गया था।

नए कानून का विरोध किया डीजे संचालकों ने

कोरबा। हाल ही में शासन द्वारा डीजे पर पूर्ण प्रतिबंध और 5 लाख रुपए के जुर्माने से संबंधित नए कानून के विरोध में आज डिस्ट्रिक्ट साउंड एंड लाइट असोसिएशन कोरबा के सदस्यों ने एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया। बैठक का मुख्य उद्देश्य इन कड़े नियमों पर चर्चा करना और भविष्य की रणनीति तय करना था।एसोसिएशन के सदस्यों ने सर्वसम्मति से निर्णय लिया है कि वे जल्द ही जिला प्रशासन के साथ एक बैठक करेंगे और उनसे सशर्त नियमों के साथ डीजे चलाने की अनुमति देने का निवेदन करेंगे। सदस्यों का कहना है कि वे प्रशासन द्वारा बनाए गए नियमों का पालन करने को तैयार हैं, बशर्ते उन्हें शांतिपूर्वक अपना व्यापार करने का मौका दिया जाए। यदि प्रशासन उनकी मांग को स्वीकार नहीं करता है और डीजे पर पूर्ण प्रतिबंध जारी रहता है, तो एसोसिएशन ने अपने व्यापार को पूरी तरह से बंद करने की शपथ ली है। बैठक में सदस्यों ने डीजे को लेकर लागू किए गए नियमों में भेदभाव का आरोप लगाते हुए अपनी गहरी नाराजगी व्यक्त की। उनका कहना था कि ये नियम अक्सर पूजा-पाठ और त्योहारों के दौरान ही सख्ती से लागू होते हैं, जबकि स्वतंत्रता दिवस या अन्य राजनीतिक आयोजनों जैसे शासकीय कार्यों के दौरान इन पर कोई कार्रवाई नहीं होती।

पति की दीर्घायु के लिए सुहागिनें करेगी आज हरितालिका व्रत

रायपुर। प्रति वर्ष की भांति इस वर्ष भी भादो शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि पर छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर सहित पूरे प्रदेश भर में सुहागिन महिलाएं अपनी पति की आयु में दीर्घायु के लिए निर्जला तीजा व्रत धारण करेगी। इसके साथ ही तिजहारिनें जगराता कर भोलेनाथ एवं माता पार्वती की आराधना करेंगी। रात भर भजन कीर्तन का कार्यक्रम चलेगा। ज्ञात हो कि तीजा का पर्व छत्तीसगढ़ के प्रमुख लोक पर्वों में गिना जाता है। तीजा के अवसर पर बाजारों में तिजहारिनों की जमकर भीड़ देखी जा रही है। रविवार को मालवीय रोड गोल बाजार सदर बाजार रामसागर पारा गंज पारा पुरानी बस्ती गुढ़ियारी सहित अनेक बाजारों में तिजहारिनें उत्साहपूर्वक खरीददारी करती हुई दिखाई दी। आज तिजहारिनें करू भात खाएंगी। तिजहारिनों के इस शुभ पर्व पर मायके पक्ष के उनके भाई अथवा पिता आदि उन्हें लेवाल के लिए घरों में पहुंच चुके है। रेलवे स्टेशन एवं बस स्टैंड पर जहां तक नजर जाती है वहां तक तीजहारिनें ही मायके जाने के लिए ट्रेन बस एवं टेक्सियों का उत्साहपूर्वक इंतजार करते दिखाई दे रही है। वहीं तीजा को लेकर घर घर में उत्साह का माहौल है। पौराणिक मान्यता के अनुसार तीजा के दिन ही माता पार्वती ने भोलेनाथ की अखंड आराधना की थी इसके साथ ही इस पर्व को लेकर एक अन्य प्रसंग के अनुसार सत्यवान सावित्री की कथा भी अपनी पति सुरक्षित रखने के संबंध में प्रचलित है। मृत्यु के उपरांत भी यमराज के समक्ष हटकर सावित्री ने अपने पति के प्राण वापस लिये थे। जिनके लिए व्रत रखा जा रहा है वह भी अपने पत्नि के स्वास्थ्य की विशेष चिंता करते दिखाई पड़ रहे हैं। तीजा के ठीक दूसरे दिन गणेश चतुर्थी के अवसर पर तिजहारिनें अपने अपने मायकों में बहन भाई और भाभियों और माता पिता के बीच उपवास तोड़ेंगी। तीजा को लेकर तिजहारिनें विशेष श्रृंगार करती है इस दृष्टि से शहर के सभी छोटे बड़े ब्यूटी पार्लर में जमकर भीड़ है। विशेषकर रंग बिरंगी डिजाइनदार मेहंदी लगवाने के लिए छोटा पारा स्थित मेहंदी पार्लर में भी सुबह दस बजे से अपनी पारी का इंतजार करते सुहागिनें देखी गई।

वन्यजीवों की सुरक्षा में सुकमा जिले की बड़ी पहल, पहली बार वन्यजीव संरक्षण पर दिया गया विशेष प्रशिक्षण

सुकमा । जिले के इतिहास में पहली बार वन विभाग ने वनकर्मियों, संयुक्त वन प्रबंधन समिति एवं जैव विविधता प्रबंधन समिति के सदस्यों के लिए वन्यजीव संरक्षण एवं प्रबंधन पर विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया। यह पहल न केवल वन विभाग की क्षमता वृद्धि बल्कि स्थानीय समुदाय को संरक्षण की मुख्यधारा से जोड़ने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम साबित हुई है। सुकमा एवं दोरनापाल उपमंडल के कर्मचारियों का प्रशिक्षण 23 और 24 अगस्त को जिला मुख्यालय सुकमा में आयोजित हुआ। इसमें राज्य जैव विविधता बोर्ड के सदस्य एवं ख्यातिप्राप्त वन्यजीव विशेषज्ञ डॉ. राजेन्द्र मिश्रा ने प्रतिभागियों को मार्गदर्शन दिया। वहीं 20 और 21 अगस्त को कोन्टा में आयोजित प्रशिक्षण में नोवा नेचर फाउंडेशन के सुराज ने वन्यजीव प्रबंधन पर विस्तृत जानकारी प्रदान की।इस प्रशिक्षण की सबसे बड़ी विशेषता यह रही कि पहली बार जेएफएमसी और बीएमसी के सदस्य भी इसमें शामिल हुए। उनकी उपस्थिति से कार्यक्रम केवल वन विभाग तक सीमित न रहकर स्थानीय समुदाय तक पहुंचा, जिससे वन्यजीव संरक्षण के प्रति साझा जिम्मेदारी और जागरूकता का नया अध्याय शुरू हुआ।वनमंडलाधिकारी सुकमा श्री अक्षय भोसले ने कहा कि सुकमा जैसे घने वनों वाले जिले में वन्यजीव संरक्षण हमेशा से चुनौती रहा है। यह प्रशिक्षण केवल विभागीय कर्मचारियों के लिए ही नहीं, बल्कि स्थानीय समुदाय की सहभागिता को मजबूत करने की दिशा में भी महत्वपूर्ण कदम है।

छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव : महिला सम्मेलन एवं तीजा-पोरा महोत्सव का भव्य आयोजन

रायपुर । मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेवता पर राजधानी रायपुर स्थित पंडित दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में आज छत्तीसगढ़ का पारंपरिक त्योहार तीजा-पोरा धूमधाम से मनाया गया। 'विष्णु भइया' के नेवता पर आयोजित इस भव्य आयोजन में शामिल होने के लिए प्रदेशभर से बड़ी संख्या में महिलाएँ पहुँचीं। प्रदेश सरकार के मंत्रियों और जनप्रतिनिधियों ने माताओं-बहनों का आत्मीय स्वागत किया और उन्हें उपहार स्वरूप साड़ी, श्रृंगार सामग्री और छत्तीसगढ़ी कलेवा भेंट किया गया।

मुख्य अतिथि उपमुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने उपस्थित माताओं-बहनों को तीजा पर्व की शुभकामनाएँ दीं। महिला सम्मेलन को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि तीजा छत्तीसगढ़ में नारी शक्ति के मान, सम्मान और दृढ़ निश्चय का महत्वपूर्ण पर्व है। निर्जला व्रत रखकर अपने पति-परिवार की सुरक्षा और समृद्धि की कामना करने वाली सभी माताओं-बहनों को उन्होंने सरकार की ओर से शुभकामनाएँ दीं। श्री साव ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री साय के नेवता पर माताओं-बहनों की इतनी बड़ी संख्या में उपस्थिति स्वयं इस पर्व के महत्व को सिद्ध करती है।

उन्होंने कहा कि तीजा के आते ही माताओं-बहनों के मन में प्रसन्नता छा जाती है। भाई-भतीजा के तीजा लिवाने आने की प्रतीक्षा रहती है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रदेश सरकार छत्तीसगढ़ महतारी के मान, सम्मान और गौरव को बढ़ाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। महतारी वंदन योजना के अंतर्गत प्रदेश की 70 लाख से अधिक माताओं-बहनों को प्रतिमाह एक हजार रुपए की राशि मिल रही है। इससे वे आर्थिक रूप से सशक्त हो रही हैं और घर-परिवार को संचालित करने में पति के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी हैं। उन्होंने कहा कि सरकार महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने हेतु आगे भी ऐसी योजनाएँ लाती रहेगी।

कृषि मंत्री श्री रामविचार नेताम ने भी तीजा-पोरा पर्व की बधाई दी और कहा कि यह अवसर सभी तीजहारिन बहनों के लिए बहुत विशेष है। यह पर्व केवल धार्मिक अनुष्ठानों तक सीमित नहीं है, बल्कि महिलाओं के लिए खुशी, एकजुटता और आत्मीयता का प्रतीक है। महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने कहा कि तीजा धार्मिक, सामाजिक और प्राकृतिक सामंजस्य का पर्व है। माता-बहनें परिवार को जोड़कर स्वर्ग समान बनाए रखने का कार्य करती हैं। सुहागन महिलाएँ निर्जला व्रत रखकर अपने पति की दीर्घायु की कामना करते हुए शिव-पार्वती की पूजा करती हैं। सावन में खेत-खलिहान हरे-भरे हो जाते हैं, जिनमें गाय-बैलों की अथक मेहनत का योगदान होता है। इसी मेहनत से हमारे धान के कोठार भरते हैं। कार्यक्रम में मौजूद पूर्व सांसद श्रीमती सरोज पांडेय ने भी सम्मेलन को संबोधित किया। इस अवसर पर पंडवानी गायिका पद्मश्री श्रीमती उषा बारले और लोकगायिका कुमारी आरु साहू को स्मृतिचिह्न भेंट कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में श्रम एवं उद्योग मंत्री श्री लखनलाल देवांगन, विधायक श्री सुनील सोनी, श्री इंद्र कुमार साव, श्री अनुज शर्मा, केश शिल्पी बोर्ड की अध्यक्ष श्रीमती मोना सेना, अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष श्री अमरजीत छाबड़ा, खाद्य नागरिक आपूर्ति निगम के अध्यक्ष श्री संजय श्रीवास्तव, रायपुर की महापौर श्रीमती मीनल चौबे सहित अन्य गणमान्यजन उपस्थित थे।

सीएम विष्णुदेव साय ने ओसाका की एसएएस सानवा कंपनी लिमिटेड को छत्तीसगढ़ में निवेश के लिए किया आमंत्रित

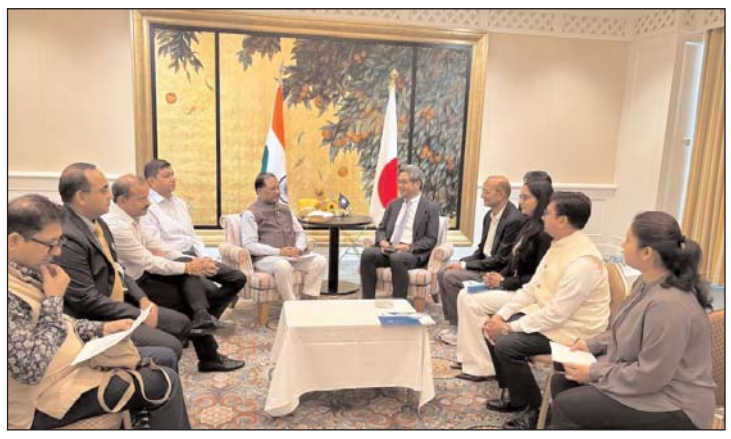

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने ओसाका की एसएएस सानवा कंपनी लिमिटेड को छत्तीसगढ़ में निवेश के लिए आमंत्रित किया

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने ओसाका की एसएएस सानवा कंपनी लिमिटेड को छत्तीसगढ़ में निवेश के लिए आमंत्रित कियामुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने ओसाका की एसएएस सानवा कंपनी लिमिटेड को छत्तीसगढ़ में निवेश के लिए आमंत्रित किया

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने अपने जापान प्रवास के दौरान ओसाका स्थित एसएएस सानवा कंपनी लिमिटेड को राज्य में निवेश के लिए आमंत्रित किया। उन्होंने कंपनी को छत्तीसगढ़ में अत्याधुनिक खाद्य प्रसंस्करण इकाई तथा उन्नत इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण सुविधा स्थापित करने का प्रस्ताव दिया। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि ये परियोजनाएँ न केवल कृषि मूल्य श्रृंखलाओं को मज़बूत करेंगी बल्कि उच्च-तकनीकी विनिर्माण को भी प्रोत्साहित करेंगी और राज्य के युवाओं के लिए बड़े पैमाने पर नए रोजगार अवसर सृजित करेंगी।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि राज्य सरकार निवेशकों के लिए अनुकूल वातावरण, सुगम प्रक्रिया और प्रत्येक स्तर पर सहयोग सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री श्री साय ने आशा व्यक्त की कि एसएएस सानवा कंपनी लिमिटेड की प्रस्तावित खाद्य प्रसंस्करण इकाई से किसानों को अपनी उपज का बेहतर मूल्य मिलेगा और कृषि आधारित उद्योगों को नई मजबूती प्राप्त होगी। साथ ही, इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण सुविधा राज्य को उच्च-तकनीकी उत्पादन का नया केंद्र बनाएगी और युवाओं को आधुनिक उद्योगों से जुड़ने का अवसर प्रदान करेगी।

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने विश्वास जताया कि ये निवेश परियोजनाएँ आने वाले समय में छत्तीसगढ़ को न केवल देश में बल्कि वैश्विक स्तर पर भी उद्योग और निवेश का प्रमुख केंद्र बनाएंगी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की प्राथमिकता जनता की समृद्धि, युवाओं का भविष्य और निवेशकों का विश्वास है, और इसी संकल्प के साथ छत्तीसगढ़ सतत विकास की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

उसलापुर रेलवे स्टेशन पर गांजा तस्करी करने वाले दो आरोपी गिरफ्तार

बिलासपुर। बिलासपुर के उसलापुर रेलवे स्टेशन पर गांजा तस्करी करते हुए उत्तर प्रदेश के दो तस्करों को सिविल लाइन थाना और एसीसीयू की संयुक्त टीम ने धर दबोचा। दोनों आरोपी खुद को सेना का जवान बताकर फर्जी पहचान पत्र के जरिए पुलिस को गुमराह करने की कोशिश कर रहे थे।

सूचना मिलने पर पुलिस टीम स्टेशन पहुंची, जहां दो संदिग्धों को देखकर रोका गया। पूछताछ में एक आरोपी रूपेश सिंह ने खुद को भारतीय सेना का जवान बताया और फर्जी आईडी कार्ड दिखाया। लेकिन पुलिस की सतर्कता से आईडी फर्जी साबित हुई। जांच में यह भी सामने आया कि उन्होंने इसी फर्जी पहचान का इस्तेमाल कर ट्रेन टिकट भी बुक की थी। आरोपियों के पास से 21 किलो 100 ग्राम गांजा और मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं। पकड़े गए तस्करों की पहचान रूपेश सिंह (25), निवासी कोटवा हनुमानगंज, थाना हडिया, जिला प्रयागराज और विनोद कुमार सिंह (38), निवासी वार्ड क्रमांक 38, बुड़ियादेवी मंदिर, थाना कोतवाली, जिला प्रतापगढ़, उत्तर प्रदेश के रूप में हुई है। पुलिस दोनों से पूछताछ कर रही है कि ये लोग गांजा कहां से ला रहे थे और इसे कहां सप्लाई करने वाले थे।

गोद ग्राम सोनपूरी में राज्यपाल का जनसंवाद, अंतिम पंक्ति तक योजनाओं के लाभ पर जोर

अंतिम पंक्ति तक योजनाओं के लाभ पर जोर

रायपुर। राज्यपाल श्री रमेन डेका ने अपने खैरागढ़ प्रवास के दौरान अपने गोद लिए हुए ग्राम सोनपूरी का भ्रमण किया और जनसंवाद कार्यक्रम में शामिल होकर ग्रामीणों से सीधा संवाद किया। उन्होंने कहा कि शासन की योजनाओं का वास्तविक उद्देश्य तभी पूरा होगा जब इनका लाभ अंतिम पंक्ति के हितग्राही तक पहुंचे। ग्राम सोनपूरी को मॉडल ग्राम के रूप में विकसित करने के लिए उन्होंने सभी विभागों को समन्वित प्रयास करने के निर्देश दिए। राज्यपाल ने शासन की योजनाओं का लाभ ले चुके हितग्राहियों से फीडबैक लिया। जनसंवाद के दौरान विद्यार्थियों को कौशल विकास प्रशिक्षण हेतु राजभवन से 5-5 हजार रुपए सहयोग देने की घोषणा की। इसी तरह ग्रामीणों द्वारा श्मशान घाट के रख-रखाव और बाउंड्रीवाल निर्माण की मांग पर उन्होंने राजभवन से 5 लाख रुपए की सहायता राशि देने की घोषणा की। राज्यपाल श्री डेका ने कहा कि छत्तीसगढ़ की महिलाएं स्व-सहायता समूहों से जुड़कर उल्लेखनीय कार्य कर रही हैं। इन समूहों ने न केवल महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाया है, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी सशक्त किया है। उन्होंने कहा कि छोटे-छोटे प्रयास ही भविष्य में बड़े बदलाव का आधार बनते हैं। इस अवसर पर राज्यपाल की उप सचिव सुश्री निधि साहू, ग्राम सोनपुरी सरपंच सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी तथा बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

सिमगा नगर में नशीली टैबलेट की तस्करी करने वाले मामले में एक और आरोपी को किया गया गिरफ्तार

थाना सिमगा पुलिस टीम द्वारा आरोपी को हावड़ा (कोलकाता) पश्चिम बंगाल से किया गया गिरफ्तार

सिमगा। पुलिस द्वारा कार्रवाई करते हुए बिक्री करने के लिए हावड़ा (कोलकाता) से नशीली टैबलेट सप्लाई करने वाले आरोपी को किया गया गिरफ्तार। आरोपियों से 24,180 कीमत मूल्य की 3900 नग NITROSUN-10 नशीली टेबलेट किया गया था जप्त। साथ ही आरोपियों से एक स्कूटी वाहन एवं एक मोबाइल भी किया गया था जप्त। नशीले टेबलेट की बिक्री करने वाले मामले में पुलिस द्वारा अब तक कुल 04 आरोपियों को किया गया है गिरफ्तार। मुखबिर सूचना पर दिनांक 10.07.2025 को थाना सिमगा पुलिस टीम द्वारा मेनरोड सिमगा में घेराबंदी कर बिक्री करने के लिए नशीली टेबलेट रखने वाले कुल 03 आरोपियों को पकड़ा गया था। इस दौरान पुलिस टीम द्वारा पहले आरोपियों से 3900 नग NITROSUN-10 नशीला टेबलेट विधिवत जप्त किया गया। उक्त नशीले टेबलेट का बाजार मूल्य 24,180 है। साथ ही प्रकरण में आरोपियों से नशीला टैबलेट बिक्री में इस्तेमाल स्कूटी वाहन क्र. छत्त04 क्र 7237 एवं एक मोबाइल भी जप्त किया गया। प्रकरण में आरोपियों के विरुद्ध थाना सिमगा में अपराध क्र. 367/2025 धारा 21B NDPS एक्ट पंजीबद्ध किया गया था। मामले में पुलिस अधीक्षक श्रीमती भावना गुप्ता के कुशल निर्देशन में थाना सिमगा पुलिस द्वारा जांच एवं विवेचना क्रम में END TO END कार्रवाई करते हुए हावड़ा कोलकाता से नशीला टैबलेट भाटापारा में सप्लाई करने वाले आरोपी शेख शहाबुद्दीन को पकड़ा गया है। आरोपी से पूछताछ करने पर उसके द्वारा सिमगा नगर में बिक्री करने के लिए पूर्व में गिरफ्तार आरोपियों को नशीले टैबलेट की सप्लाई करना स्वीकार किया गया। प्रकरण में आरोपी को विधिवत गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत करने की प्रक्रिया की जा रही है। मामले में थाना सिमगा पुलिस द्वारा अब तक कुल 04 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी- शेख शहाबुद्दीन उर्फ बाबू भाई उर्फबाबूलाल उम्र 35 वर्ष निवासी 93 सेकंड लाइन पीलखाना हावड़ा थाना गोलावाड़ी जिला हावड़ा (कोलकाता) पश्चिम बंगाल

केन्द्रीय आवास और शहरी कार्य मंत्रालय की ऑनलाइन समीक्षा बैठक में शामिल हुए उप मुख्यमंत्री अरुण साव

केन्द्रीय मंत्री श्री मनोहर लाल ने स्वच्छ भारत मिशन (शहरी) के कार्यों की समीक्षा की

उप मुख्यमंत्री श्री साव ने केन्द्रीय मंत्री को दी जानकारी : स्वच्छता को बना रहे जन आंदोलन

रायपुर। केन्द्रीय मंत्री श्री मनोहर लाल ने स्वच्छ भारत मिशन (शहरी) के कार्यों की समीक्षा कीकेन्द्रीय मंत्री श्री मनोहर लाल ने स्वच्छ भारत मिशन (शहरी) के कार्यों की समीक्षा की उप मुख्यमंत्री तथा नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री श्री अरुण साव आज केन्द्रीय आवास और शहरी कार्य मंत्री श्री मनोहर लाल की अध्यक्षता में हुई समीक्षा बैठक में शामिल हुए। केन्द्रीय मंत्री श्री मनोहर लाल ने नई दिल्ली से वर्चुअली आयोजित बैठक में स्वच्छ भारत मिशन (शहरी) के कार्यों की राज्यवार समीक्षा की। उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव नवा रायपुर स्थित अपने निवास कार्यालय से नगरीय प्रशासन विभाग के सचिव डॉ. बसवराजु एस., संचालक श्री आर. एक्का और राज्य शहरी विकास अभिकरण (स्श्ठ) के सीईओ श्री शशांक पाण्डेय के साथ बैठक में शामिल हुए।केन्द्रीय आवास और शहरी कार्य मंत्री श्री मनोहर लाल ने बैठक में शहरी स्वच्छता के कार्यों को और अधिक प्रभावी बनाने आवश्यक निर्देश दिए। बैठक में लक्षित स्वच्छता इकाईयों (Cleanliness Target Units) के चिन्हांकन एवं निराकरण को वर्षभर की गतिविधि के रूप में लागू करने तथा इस साल (2025) के 'स्वच्छता ही सेवा' (SHS) अभियान की तैयारियों की समीक्षा की गई। बैठक में स्वच्छ शहर जोड़ी (SHJ) के संचालनात्मक दिशा-निर्देशों के बारे में भी विस्तार से जानकारी दी गई। उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने बैठक में स्वच्छता के प्रति छत्तीसगढ़ की प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार, केंद्र सरकार के मार्गदर्शन में नगरीय विकास एवं स्वच्छता से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता के साथ आगे बढ़ा रही है।

स्वच्छता अभियान को जन आंदोलन का स्वरूप देने राज्य सरकार ने व्यापक रणनीति तैयार की है, जिसमें आमजन की भागीदारी सुनिश्चित की जा रही है।

अभियान के तहत् फरार आरोपियों पर सरकण्डा पुलिस का प्रहार

बिलासपुर। बीट प्रभारी तथा बीट आरक्षकों द्वारा सूचना एकत्र कर चलाया गया अभियान। थाना क्षेत्र में संध्या पेट्रोलिंग के दौरान पकड़े गये फरार आरोपी। आरोपियों के विरूद्ध माननीय न्यायालय द्वारा जारी 3 स्थायी एवं 6 गिरफ्तारी वारंट किया गया तामिल। आगे भी अभियान चलाकर फरार आरोपियों को किया जायेगा गिरफ्तार।

नाम फरार वारंटी: दीपक वैष्णव पिता संतोष वैष्णव उम्र 38 वर्ष निवासी प्रभात चौक चिंगराजपारा सरकण्डा, जिला बिलासपुर (छ.ग.), सुशीलयादव उर्फ बोचकू पिता भुनेष्वर यादव उम्र 22 वर्ष निवासी बंधवापारा सरकण्डा, थाना सरकण्डा, जिला बिलासपुर (छ.ग.), देवानंद जायसवाल उर्फ छोटू पिता लक्ष्मण जायसवाल उम्र 23 वर्ष निवासी बगदई मंदिर के पास अषोक नगर सरकण्डा, जिला बिलासपुर (छ.ग.), 4. शंकर गौरहा उर्फ शंकर रजक पिता सुरेष गौरहा उम्र 24 वर्ष निवासी खमतराई थाना सरकण्डा, जिला बिलासपुर (छ.ग.)। 5. शिव ध्रुव पिता धनउ ध्रुव उम्र 20 वर्ष निवासी अषोक नगर सरकण्डा, जिला बिलासपुर (छ.ग.)। 6. शनि कुमार कष्यप पिता सीताराम कष्यप उम्र 22 वर्ष निवासी खमतराई अषोक नगर सरकण्डा, जिला बिलासपुर (छ.ग.)। 07. उत्कल पटेल पिता परमेष्वर पटेल उम्र 26 वर्ष निवासी अषोक नगर खमतराई थाना सरकण्डा जिला बिलासपुर (छ.ग.) 8. नवीन श्रीवास पिता सीताराम श्रीवास उम्र 19 वर्ष निवासी कुंदरूबाड़ी चिंगराजपारा थाना सरकण्डा, जिला बिलासपुर (छ.ग.)। 09. ललित कुमार पिता स्व. मोतीलाल उम्र 52 वर्ष निवासी लोयला स्कूल रोड राज किषोर नगर सरकण्डा, जिला बिलासपुर (छ.ग.)। संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है कि वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक महोदय बिलासपुर श्री रजनेश सिंह(भापुसे) द्वारा थाना क्षेत्र में अपराधियों एवं अपराध पर प्रभावी नियंत्रण हेतु बीट में बांट कर बीट प्रभारी एवं बीट आरक्षक नियुक्त कर बीट क्षेत्र में सतत् निगाह रखने एवं बदमाशों की निगरानी तथा फरार आरोपियों के धरपकड़ कर अधिक से अधिक गिरफ्तारी एवं स्थायी वारंट तामिल करने निर्देशित किया गया है,

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक प्रेमेन्द्र अग्रवाल द्वारा अस्मा पब्लिशर्स इण्डिया प्राईवेट लि.,जयस्तंभ चौक, रायपुर से मुद्रित कर तथा 5/756 रामसागरपारा, सिंधी स्कूल के पीछे, स्टेशनरी हाऊस, रायपुर 492001 (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक प्रेमेन्द्र अग्रवाल ।
www.lokshakti.in, lokshaktidaily@gmail.com, twitter.com/lokshaktidaily, facebook.com/lokshaktidaily कार्यकारी संपादक : राजेश अग्रवाल (किसी भी विवाद पर न्यायालय क्षेत्र रायपुर होगा)